सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
" खुशियों का दौलत से क्या वास्ता
ढूंढने वाले इन्हें धूल में भी तलाश लेते हैं...!! "
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-151 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शनिवार 20 जून 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

रेत वसूली विवाद : भाजपा नेता सहित 3 की हत्या, 5 आरोपी फरार, परिजनों ने की एनकाउंटर की मांग

नई दृष्टिबिंदु / अंबिकापुर-बैकुंठपुर

कोरिया जिले के सोनहत थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नौगई में रेत की अवैध वसूली को लेकर हुए विवाद में भाजपा नेता भरत सिंह उर्फ लल्ला सिंह समेत तीन लोगों की हत्या कर दी गई। आरोप है कि 16 जून की रात भरत सिंह को उनकी फॉर्च्यूनर कार में पेट्रोल छिड़ककर जिंदा जला दिया गया। फरसे के हमले और झुलसने से उनके चचेरे भाई शिक्षक नागेंद्र सिंह और रिश्तेदार बिरेंद्र सिंह की भी इलाज के दौरान मौत हो गई। दो अन्य लोग योगेंद्र सिंह और मयंक सिंह गंभीर रूप से घायल हैं। उनका रायपुर में इलाज चल रहा है।

9 लोगों पर नामजद एफआईआर, 4 गिरफ्तार

पुलिस ने इस मामले में मनोज त्रिपाठी, निशांत त्रिपाठी, विशाल त्रिपाठी, सत्यप्रकाश, मन्नू त्रिपाठी, गौरव त्रिपाठी, महेंद्र त्रिपाठी, अमन और अक्षत त्रिपाठी के खिलाफ नामजद अपराध दर्ज किया है। इनमें से अक्षत त्रिपाठी, सत्यप्रकाश त्रिपाठी, मन्नू त्रिपाठी और विशाल त्रिपाठी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुख्य आरोपी भाजपा नेता मनोज त्रिपाठी समेत 5 आरोपी अब भी फरार हैं। घटना के तीन दिन बाद भी पुलिस उनका सुराग नहीं जुटा पाई है।

रेत वसूली बनी हत्या की वजह

मृतक भरत सिंह सोनहत जनपद के पूर्व उपाध्यक्ष थे और बैकुंठपुर विधायक भइयालाल राजवाड़े के करीबी बताए जा रहे हैं। वहीं मुख्य आरोपी मनोज त्रिपाठी भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह के करीबी हैं। बताया जा रहा है कि 8 माह पहले भरत सिंह के चचेरे भाई के बेटे को चिरमी रेत घाट का ठेका मिला था। इसकी आड़ में भरत सिंह सोनहत, तेलईमुड़ा, बेलिया, कैलाशपुर और छिंगुरा स्थित अवैध रेत खदानों से प्रति हाइवा वाहन 1000 रुपए की वसूली कर रहे थे।

मनोज त्रिपाठी के भी कई टिपर वाहन रेत का परिवहन करते थे। उनसे भी वसूली की जाती थी, जबकि मनोज त्रिपाठी इसके खिलाफ थे। इसी को लेकर दोनों नेताओं के बीच लंबे समय से रंजिश चल रही थी। 15 जून को मनोज त्रिपाठी के भाई निशांत त्रिपाठी के साथ भरत सिंह के परिवार के सदस्यों ने मारपीट की थी। इसके बाद रंजिश और बढ़ गई।

समझौते के लिए गए थे भरत सिंह

परिजनों के अनुसार 16 जून की रात भरत सिंह, बिरेंद्र सिंह, नागेंद्र सिंह, योगेंद्र सिंह और मयंक सिंह दो कारों में मारपीट मामले का समझौता करने मनोज त्रिपाठी के घर के पास गए थे। आरोप है कि मनोज त्रिपाठी और उनके परिवार के सदस्यों ने भरत सिंह की कार को टिपर से टक्कर मारी और दोनों तरफ वाहन अड़ा दिए। इसके बाद हथियारों से हमला किया और फॉर्च्यूनर पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। कार में बैठे भरत सिंह की जलकर मौत हो गई। नागेंद्र सिंह 80 प्रतिशत तक झुलस गए और बिरेंद्र सिंह के गर्दन पर फरसे से वार किया गया। दोनों की इलाज के दौरान मौत हो गई।

परिजनों ने की सीबीआई जांच की मांग

पीड़ित परिवार ने आरोपियों के एनकाउंटर और सीबीआई जांच की मांग की है। पुलिस ने मृत भाजपा नेता के घर के आसपास धारा 163 लागू कर दी है। गांव में चप्पे चप्पे पर पुलिस का पहरा है। इस जघन्य हत्याकांड से छत्तीसगढ़ की सियासत भी गरमा गई है। कांग्रेस ने भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया है।

बीएसपी से संगठित लौह स्क्रैप चोरी मामले में 2 और गिरफ्तार, 12 आरोपी पकड़े गए

3 .22 करोड़ की संपत्ति जब्त, 250 टन स्क्रैप हुए बरामद

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई स्टील प्लांट से संगठित रूप से लौह स्क्रैप चोरी करने वाले गिरोह के 2 अन्य आरोपियों को पुरानी भिलाई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस प्रकरण में गिरफ्तार आरोपियों की कुल संख्या 12 हो गई है।

फ्लू डस्ट की आड़ में हो रही थी चोरी

पुलिस के अनुसार आरोपी पिछले 4 से 5 माह से योजनाबद्ध तरीके से बीएसपी के लौह स्क्रैप को फ्लू डस्ट परिवहन वाहनों में भरकर चोरी कर रहे थे। चोरी किए गए स्क्रैप को ए.के. ट्रेडर्स, प्लॉट क्रमांक 18, एच.आई.ए. हथखोज, ग्राम अकलोरडीह खदानपारा में अवैध रूप से संग्रहित किया जा रहा था।

मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई

दिनांक 26 मई 2026 को मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस टीम ने ए.के. ट्रेडर्स में जांच की। मौके पर विभिन्न हाईवा, ट्रक और अन्य वाहनों में फ्लू डस्ट के साथ लोहे की प्लेट, बीम और कटिंग सामग्री भरी मिली। बड़ी मात्रा में लौह स्क्रैप अलग अलग ढेरों में संग्रहित पाया गया।

90 लाख का स्क्रैप, 3.22 करोड़ की जब्ती

जांच में सामने आया कि आरोपियों ने संगठित रूप से फ्लू डस्ट परिवहन के दौरान बीएसपी का लौह स्क्रैप चोरी किया। मौके से लगभग 250 टन वजनी लौह प्लेट, बीम कटिंग और अन्य सामग्री जब्त की गई। इसकी कीमत करीब 90 लाख रुपये आंकी गई है।

इसके अलावा स्क्रैप परिवहन और लोडिंग में प्रयुक्त वाहन, जेसीबी, हाईड्रा और अन्य मशीनरी भी जब्त की गई। कुल जब्ती का मूल्य लगभग 3 करोड़ 22 लाख रुपये है।

गिरफ्तार आरोपियों में

विवेचना के दौरान सांई एसोसिएट का सपुरवाइजर आकाश कुमार सिंह, उम्र 29 वर्ष, निवासी हाउसिंग बोर्ड एमआईजी-2/1453, जामुल और हिमांशु बदर्स फर्म का सुपरवाइजर अमित शर्मा उर्फ कैलाश शर्मा, उम्र 45 वर्ष, निवासी सड़क 15/बी, सेक्टर-02, भिलाई की संलिप्तता के पर्याप्त साक्ष्य मिले। दोनों को गिरफ्तार कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। प्रकरण में पहले 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका था। अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

जब्त वाहन और सामग्री

पुलिस ने हाईवा वाहन सीजी 04 क्यूटी 8797, ट्रक सीजी 10 आर 2004, हाईवा सीजी 08 ए डब्ल्यू 1475, ट्रक सीजी 07 एमबी 2455, टाटा 1109 वाहन सीजी 07 सीए 6977, टाटा एस सीजी 04 जेबी 9616, जेसीबी सीजी 08 एवाई 8496, हाईड्रा सीजी 07 सीडब्ल्यू 8063, चेन माउंटिंग मशीन और डस्ट छानने की 5 लोहे की मशीनें जब्त की हैं।

पुलिस ने की अपील

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की चोरी, अवैध कारोबार या संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को दें। संगठित अपराध में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

थाना पुरानी भिलाई की पुलिस टीम, विवेचना अधिकारियों और तकनीकी सहायता प्रदान करने वाले पुलिस कर्मचारियों की इस कार्रवाई में सराहनीय भूमिका रही।

जांच बड़े कारोबारियों तक पहुंचने के संकेत

पुलिस की जांच अब केवल चोरी तक सीमित नहीं रह गई है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी है कि कि चोरी कार का स्क्रैप किन उद्योगों, कारोबारियों और खरीदारों तक पहुंचता था। इसके साथ ही ट्रांसपोर्ट नेटवर्क और संभावित अंदरूनी मिलीभगत की भी जांच की जा रही है।

4.5 करोड़ के गांजा तस्करी का मास्टरमाइंड यूपी से गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / महासमुंद

महासमुंद पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। उड़ीसा से उत्तर प्रदेश तक फैले 4.5 करोड़ रुपये के गांजा तस्करी नेटवर्क के मुख्य सरगना को उत्तर प्रदेश के शामली से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी विनय शर्मा उर्फ पंडित जी आंध्रप्रदेश में 10 से अधिक शराब ठेकों का मालिक है और उसी की आड़ में नशे का अंतरराज्यीय कारोबार चला रहा था।

कच्चे केले की आड़ में तस्करी : 17 अप्रैल 2026 को थाना बसना पुलिस ने पलसापाली बैरियर पर नाकाबंदी कर एक आयशर माल वाहक वाहन एपी 39 टीटी 4556 को पकड़ा था। पुलिस को चकमा देने के लिए इसमें कच्चे केले के नीचे 29 प्लास्टिक बोरियों में छिपाकर रखा गया 912.760 किलो अवैध गांजा जब्त किया गया था। इसकी कीमत लगभग 4.5 करोड़ रुपये है। मौके से 4 फर्जी नंबर प्लेट ओडी 02 डीजे 8517, यूपी 93 सीटी 8365 भी बरामद हुई थीं।

कंधमाल से शामली ले जाया जा रहा था गांजा : यह खेप ओडिशा के कंधमाल से लोड कर उत्तर प्रदेश के शामली में आरोपी विनय शर्मा के पास पहुंचाई जा रही थी। प्रकरण में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20बी दो सी तथा बीएनएस की धारा 336 दो, 338, 340 के तहत थाना बसना में अपराध पंजीबद्ध है।

व्हाट्सएप और गूगल डेटा से खुला राज : विवेचना में पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और मुख्य बिचौलिए रामजी ठाकुर के मेमोरेंडम, मोबाइल के तकनीकी विश्लेषण से स्पष्ट हुआ कि पूरे कारोबार का मुख्य रिसीवर और फाइनेंसर विनय शर्मा है। थाना बसना की विशेष पुलिस टीम ने आरोपी विनय शर्मा पिता संतोष शर्मा, उम्र 50 वर्ष, निवासी कुलमाली, जिला शामली, उत्तरप्रदेश को 17 जून 2026 को गिरफ्तार किया। उसे 4 दिन के ट्रांजिट रिमांड पर महासमुंद लाया जा रहा है।

नेटवर्क के 4 आरोपी पहले ही गिरफ्तार : इस मामले में ओडिशा से गांजा उपलब्ध कराने वाले मुख्य सप्लायर रमाकांत बेहरा और बबलू नायक, खेप की व्यवस्था करने वाले मुख्य बिचौलिए राम कुमार सिंह उर्फ रामजी ठाकुर तथा माल वाहक वाहन के चालक अब्दुल नईम को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

गिरफ्तार मुख्य आरोपी : विनय कुमार शर्मा उर्फ पंडित जी पिता संतोष शर्मा, उम्र 50 वर्ष, निवासी ग्राम कुलमाली, थाना बाबरी, जिला शामली, उत्तर प्रदेश। पुलिस ने 912.760 किलोग्राम गांजा, 4 फर्जी नंबर प्लेट और एक आयशर प्रो 2059 माल वाहक वाहन एपी 39 टीटी 4556 जब्त किया है। जब्त संपत्ति की अनुमानित कीमत लगभग 4 करोड़ 56 लाख 38 हजार रुपये है।

महासमुंद पुलिस अवैध मादक पदार्थों के व्यापार को जड़ से खत्म करने के लिए 'सोर्स से लेकर डेस्टिनेशन तक' यानी 'एंड टू एंड' कार्रवाई कर रही है। वर्ष 2026 में अब तक दर्ज कुल 110 एनडीपीएस प्रकरणों में से 65 मामलों में सोर्स से डेस्टिनेशन तक कार्रवाई की गई है।

नीट परीक्षा के लिए रायपुर में कड़ी सुरक्षा, 25 केंद्रों पर तैनात रहेगा पुलिस बल

21 जून को होगी परीक्षा, गोपनीय सामग्री की सुरक्षा में सीआरपीएफ और एसएसबी के जवान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आगामी नीट परीक्षा को लेकर रायपुर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। जिले में कुल 25 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इनमें से 20 केंद्र कमिश्नरेट इलाके में और 5 केंद्र ग्रामीण इलाके में स्थित हैं।

हर केंद्र पर एसआई तैनात

पुलिस के अनुसार हर परीक्षा केंद्र में 1 सब इंस्पेक्टर समेत एसओपी के मुताबिक पुलिस बल तैनात रहेगा। गोपनीय सामग्री लाने और ले जाने के दौरान सशस्त्र सीआरपीएफ और एसएसबी के जवान तैनात रहेंगे।

पेट्रोलिंग और मॉनिटरिंग

हर 5 केंद्रों पर 1 इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारी पेट्रोलिंग में तैनात रहेंगे। साथ ही 1 एसीपी और 1 इंस्पेक्टर प्रति 5 केंद्रों की सुरक्षा मॉनिटरिंग करेंगे।

21 जून को परीक्षा

नीट परीक्षा 21 जून को आयोजित होगी। पुलिस ने सभी परीक्षार्थियों से एसओपी का पालन करते हुए समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचने की अपील की है।

महिला व बाल विकास विभाग का महिला जागृति शिविर में विधायक ललित चंद्राकर हुए शामिल

अन्नप्राशन व गोदभराई संस्कार के साथ बाल विवाह रोकथाम का लिया संकल्प, महिला समूहों के उत्पादों को देख विधायक ने की सराहना, कहा : नारी शक्ति से ही बनेगा सशक्त भारत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

महिला एवं बाल विकास विभाग दुर्ग द्वारा ग्राम कुथरेल स्थित चन्द्राकर भवन में बुधवार को महिला जागृति शिविर का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। शिविर का शुभारंभ मां सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर सरस्वती वंदना के साथ किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विधायक ललित चंद्राकर ने परंपरागत रीति-रिवाज से बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया। डेमन देशमुख, गीतेश्वरी साहू, नेहा देशमुख और तक्ष को विधिवत खीर खिलाकर उनका अन्नप्राशन कराया गया। वहीं गर्भवती माताओं अंजली साहू, पूणिर्मा साहू, माया पारधी एवं किरण मानिकपुरी की गोदभराई की रस्म पूरी कर उन्हें पोषण आहार की टोकरी भेंट की गई।

विधायक ने सभी बच्चों के स्वस्थ जीवन और माताओं के सुरक्षित मातृत्व की कामना की।

शिविर में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीण महिलाओं ने बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लिया। विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शी सोच का परिणाम है। 18 वर्ष से कम उम्र की बच्ची का विवाह कानूनी अपराध है। हमें अपनी बेटियों को शिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाना है। यही विकसित भारत की असली पहचान होगी।

श्री चंद्राकर ने महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा लगाए गए विभिन्न उत्पादों के स्टॉल का अवलोकन किया। समूहों की महिलाओं द्वारा बनाए गए अचार, पापड़, बरी, अगरबत्ती, और हस्तशिल्प उत्पादों की उन्होंने सराहना की। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार महतारी वंदन योजना से 70 लाख महिलाओं को हर माह 1000 रुपये दे रही है। लखपति दीदी योजना से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। आज की नारी अब अबला नहीं, सबला है।

अपने संबोधन में विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 12 वर्ष के कायर्काल में महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आया है। पोषण अभियान, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मिशन शक्ति से माताओं और बच्चों का जीवन सुरक्षित हुआ है। हमारा संकल्प है कि दुर्ग ग्रामीण विधानसभा को कुपोषण मुक्त बनाएं। इसके लिए आंगनबाड़ी केंद्रों को और सशक्त किया जाएगा।

इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कुलेश्वरी देवांगन, जनपद सभापति लोमस चन्द्राकर, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजकुमार जामुलकर, परियोजना अधिकारी उषा झा, प्रदीप चन्द्राकर, विभा मिश्रा, पूर्व सरपंच श्रीमती राजश्री चन्द्राकर, दीनानाथ चन्द्राकर सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के समस्त अधिकारी-कमर्चारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं बड़ी संख्या में ग्राम की माताएं-बहनें उपस्थित रहीं। संचालन परियोजना अधिकारी उषा झा ने किया।

खास खबर

भिलाई में सीएमए सेमिनार 21 जून को, विद्यार्थियों को मिलेगा करियर मार्गदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कॉमर्स क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए 21 जून को भिलाई में विशेष सीएमए (कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंसी) सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। इस सेमिनार का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं को सीएमए पाठ्यक्रम, रोजगार के अवसरों और प्रोफेशनल करियर की संभावनाओं से अवगत कराना है। डॉ. संतोष राय इंस्टीट्यूट (पी.सी.) द्वारा आयोजित यह सेमिनार 21 जून को सुबह 10:30 बजे होटल अमित पार्क, सुपेला में आयोजित होगा। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ विद्यार्थियों को सीएमए कोर्स की विस्तृत जानकारी देंगे।

आयोजकों के अनुसार वर्तमान समय में सीएमए देश के प्रमुख व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में शामिल है, जिसमें रोजगार और स्वरोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। सेमिनार में प्रवेश प्रक्रिया, परीक्षा प्रणाली, प्रशिक्षण, प्रोफेशनल स्किल्स और विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम में कक्षा 11वीं एवं 12वीं के कॉमर्स विद्यार्थी, बी.कॉम. के छात्र-छात्राएं, सीएमए के विद्यार्थी तथा कॉमर्स संकाय से जुड़े अन्य युवा भाग ले सकेंगे। इस दौरान विद्यार्थियों और अभिभावकों को विशेषज्ञों से सीधे संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त करने का अवसर भी मिलेगा।

संस्थान ने सभी कॉमर्स विद्यार्थियों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं तथा करियर को लेकर गंभीर छात्र-छात्राओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। आयोजकों का कहना है कि यह सेमिनार युवाओं को सही करियर विकल्प चुनने और प्रोफेशनल शिक्षा के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पीएम मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ ने किया शिक्षाविदों का सम्मान

शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज संस्थापक आईपी मिश्रा सहित चार विभूतियां हुए सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कायर्काल के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ, जिला भिलाई ने "प्रबुद्धजन सम्मान एवं जनसंपर्क अभियान" चलाया। इसके तहत जिले के वरिष्ठ शिक्षाविदों और शिक्षा क्षेत्र की प्रतिष्ठित विभूतियों को उनके निवास पर पहुंचकर सम्मानित किया गया।

चार शिक्षाविदों को किया गया सम्मानित : कार्यक्रम में शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज के संस्थापक आई.पी. मिश्रा, पूर्व प्रधानाध्यापिका श्रीमती मोहनी देवी उपाध्याय, तुलाराम आर्य कन्या विद्यालय की पूर्व प्राचार्य श्रीमती हेमलता गुप्ता और कृष्णा पब्लिक स्कूल के चेयरमैन मदन मोहन त्रिपाठी को सम्मानित किया गया। सभी शिक्षाविदों को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।

ये रहे उपस्थित : इस अवसर पर भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश रायपुर संभाग प्रभारी बृजमोहन उपाध्याय, कन्हैया सोनी, जिला संयोजक विनोद उपाध्याय, भाजपा झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश संवाद प्रमुख शारदा गुप्ता, शिक्षा प्रकोष्ठ के सहसंयोजक अम्बिका द्विवेदी, सूयर्कांत पांडेय, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश मीडिया प्रभारी निशु पाण्डेय, भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य अनिल सोनी, शिवाजी सिंह एवं रजनीश सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

नगर निगम आयुक्त ने किया खुर्सीपार क्षेत्र का निरीक्षण, पानी टंकी और सफाई व्यवस्था देखी

सड़क पर बिल्डिंग मटेरियल मिलने पर चेतावनी, ई-लाइब्रेरी को बेहतर बनाने के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने बुधवार को जोन-4 खुर्सीपार क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माणाधीन उच्च क्षमता वाले जलागार, सफाई व्यवस्था, सड़क पर रखे बिल्डिंग मटेरियल और ई-लाइब्रेरी का अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

जलागार से नियमित आपूर्ति के निर्देश

आयुक्त ने वार्ड-42 गौतम नगर स्थित सड़क क्रमांक-51 में नवनिर्मित उच्च क्षमता वाले जलागार का निरीक्षण किया। इस दौरान पार्षद श्याम सुंदर राव भी उपस्थित रहे। आयुक्त ने कहा कि प्राथमिकता के साथ क्षेत्रवासियों को पर्याप्त और नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

सड़क पर मटेरियल मिलने पर कार्रवाई की चेतावनी

निरीक्षण के दौरान बालाजी नगर में कई स्थानों पर सड़क पर निर्माण सामग्री पाई गई। आयुक्त ने संबंधित मकान मालिकों को तत्काल सामग्री हटाने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि सड़क पर मटेरियल रखने से यातायात बाधित होता है और आम नागरिकों को परेशानी होती है। निर्धारित समय में सामग्री नहीं हटाने पर संबंधित व्यक्तियों पर अर्थदंड की कार्रवाई की जाएगी।

जलभराव रोकने के निर्देश

सुभाष नगर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए आयुक्त ने बरसात के दौरान सड़कों पर जलभराव की समस्या पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को पानी की निकासी के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने और आवश्यक तकनीकी उपाय तत्काल करने के निर्देश दिए, जिससे सड़कों को नुकसान से बचाया जा सके।

ई-लाइब्रेरी की व्यवस्थाएं सुधारने को कहा

आयुक्त ने क्षेत्र में संचालित ई-लाइब्रेरी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने लाइब्रेरी की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों और युवाओं को आधुनिक अध्ययन सुविधाओं का लाभ बेहतर तरीके से मिल सके।

निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कायर्पालन अभियंता संजय वर्मा, सहायक अभियंता चंद्रकांत साहू, उप अभियंता बसंत साहू, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, राजस्व निरीक्षक विजेंद्र परिहार, स्वच्छता निरीक्षक अतुल यादव सहित अन्य अधिकारी कमर्चारी उपस्थित रहे।

भारत सरकार द्वारा भारतमाला परियोजना अंतर्गत थनौद के पास कालम ब्रिज की अनुमति

नई दृष्टिबिंदु / पाटन

- ☑ 35 करोड़ की लागत से 130मी. लम्बाई में पुल की स्वीकृति
- ☑ कलेक्टर सिंह की पहल से मिली स्वीकृति से ग्रामीण हुए खुश
- ☑ प्रशासनिक तंत्र पर जनता का विश्वास हुआ सुदृढ़

भारतमाला परियोजना के अंतर्गत थनौद क्षेत्र के स्थानीय ग्रामीणों व कृषकों की दीघर्कालिक और संवेदनशील मांग को संज्ञान में लेते हुए कलेक्टर अभिजीत सिंह के कुशल नेतृत्व और प्रयासों से शासन स्तर पर एक ऐतिहासिक सफलता अर्जित की गई है।

थनौद में परियोजना से संबंधित कॉलम ब्रिज (पुल) के निर्माण की बहुप्रतीक्षित अनुमति भारत सरकार से प्राप्त हो गई है, जिसके तहत 35 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित लागत से 130 मीटर लंबे पुल की तकनीकी व प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। इस वृहद सौगात से स्थानीय कृषकों और ग्रामीणों में हर्ष की लहर है और क्षेत्र के विकास को एक नई गति मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

उल्लेखनीय है कि मार्च-2026 में स्थानीय कृषकों एवं ग्रामीणों द्वारा अपनी कृषि भूमि की सुगमता और आवागमन की सुरक्षा को लेकर प्रशासन के समक्ष अपनी व्यावहारिक चिंताएं और सुझाव साझा किए गए थे। मामले को गंभीरतापूर्वक लेकर कलेक्टर श्री सिंह ने संवेदनशीलता दिखाते हुए त्वरित व दूरदर्शी कार्वाई की, जिसके तहत आंदोलनरत कृषकों और ग्रामीणों को स्वयं एनआईटी रायपुर ले जाया गया और शीर्ष तकनीकी विशेषज्ञों से उनका सीधा संवाद कराया गया। विशेषज्ञों ने ग्रामीणों को पुल के तकनीकी डिजाइन, उपयोगिता और सुरक्षा मानकों को विस्तार से समझाया, जिससे ग्रामीणों का संशय पूरी तरह दूर हुआ और इसके बाद ही सर्वसम्मति से एक मजबूत प्रशासनिक प्रस्ताव केंद्र सरकार को प्रेषित किया गया था।

इस पूरी प्रक्रिया की अभूतपूर्व सफलता और ग्रामीणों की इस महत्वपूर्ण मांग को धरातल पर उतारने में कलेक्टर श्री सिंह के नीतिगत मार्गदर्शन की अहम भूमिका रही, जिनके प्रयासों से 35 करोड़ रुपये की बड़ी राशि और इस वृहद तकनीकी ढांचे की स्वीकृति अत्यंत अल्प समय में संभव हो सकी। इस कार्य ने प्रशासनिक तंत्र में जनता के विश्वास को और सुदृढ़ किया है। इस कॉलम ब्रिज की स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात अब शीघ्र ही निर्माण कार्य की आगामी रूपरेखा तैयार की जाएगी, जिससे भारतमाला परियोजना के साथ-साथ स्थानीय कृषकों के हितों का भी पूर्ण संरक्षण सुनिश्चित हो सकेगा।

रिटायर कर्मियों का योगदान हमेशा याद रखेगा सेक्टर-6 सोसाइटी परिवार : मिश्र

इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड सेक्टर-6 ने बीएसपी के रिटायर कर्मियों को दी सम्मानपूर्वक विदाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मियों की पहली एवं प्रतिष्ठित सहकारी संस्था इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड सेक्टर-6 ने अपने सेवानिवृत्त सदस्यों के सम्मान में एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया। जिसमें माह मई अथवा उसके पूर्व भिलाई इस्पात संयंत्र की सेवा से निवृत्त हुए सदस्यों को ससम्मान विदाई दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सोसायटी के अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने सेवानिवृत्त सदस्यों का शॉल एवं श्रीफल से सम्मान कर सोसायटी में जमा उनकी निधियों का खातादेय चेक प्रदान किया।

इस दौरान मिश्र ने सदस्यों को सम्मानपूर्वक विदाई देते हुए कहा कि जीवन की नई पारी की शुरुआत करते हुए सोसाइटी परिवार से खुद को अलग न समझें। उन्होंने कहा कि रिटायर कमिर्यों ने अपने जीवन का सर्वश्रेष्ठ भिलाई स्टील प्लांट और हमारी इस सोसाइटी को दिया है। जिसे हम कभी नहीं भूल पाएंगे।

इस दौरान रिटायर कर्मियों ने भी अपनी भावनाएं व्यक्त की। ज्यादातर कर्मियों ने बीएसपी में बिताया अपना सेवाकाल याद किया और कुछ रिटायर कर्मियों ने अपने संस्मरण भी सुनाए। इन रिटायर कर्मियों में मुख्य रूप से मर्चेंट एंड वायर रॉड मिल से रामसुजान त्रिपाठी, जनरल एस्टेब्लिशमेंट से एम ज्योति, जीएडी से, पी.कामेश्वर राव, ट्रांसपोर्ट एंड डीजल ऑर्गेनाइजेशन से ओमप्रकाश मिश्रा, श्याम कुमार वाघड़े, ब्लास्ट फर्नेस से राकेश कुमार, रिफ्रैक्टरीज इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट से राजेंद्र प्रसाद, नान्हूराम मनहर, मोहन लाल ठाकुर, मेडिकल से सीएच जी जिया राव, एसएमएस-3 से गोवर्धन प्रसाद देवांगन, स्टोर से रमाशंकर सिंह, बार एंड रॉड मिल से संतराम तारम, वाटर मैनेजमेंट से ए.जयचंद्रन नायर, सीएंडआईटी से डीके तिवारी, एसएमएस-3 से छगनलाल साहू, सीआरएम से वीरबहादुर शर्मा, वाटर मैनेजमेंट से बी.नरसैया, के रामचंद्रर और प्लेट मिल से एनके मेश्राम ने अपनी भावनाएं व्यक्त की। रिटायर कर्मियों ने समवेत स्वर ने कहा कि पूरे सेवाकाल में जब भी कोई आर्थिक जरूरत पड़ी तो सेक्टर-6 सोसाइटी से आसानी से ऋण मिल गया। इन रिटायर कर्मियों ने सोसाइटी की वजह से आकस्मिक पारिवारिक जरूरतों के दौरान सोसाइटी की पहल से मिली राहत का विस्तार से वर्णन किया।

इस अवसर पर संचालक मंडल के उपाध्यक्ष अमिताभ वर्मा तथा सदस्य हरिराम यादव, नीरजा शर्मा, जे.के.गहिने और पवन साहू सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। संचालन संस्था के प्रबंधक एम.मुरलीधर व आभार प्रदर्शन वरिष्ठ संचालक विनोद कुमार वासनिक ने व्यक्त किया।

स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों के बीच, गुरुनानक नगर में कचरे का अंबार, रहवासी हो रहे हैं परेशान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

एक ओर दुर्ग नगर निगम स्वच्छता सर्वेक्षण-2026 में बेहतर रैंकिंग हासिल करने के लिए तैयारियों का दावा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर शहर के कई वार्डों में सफाई व्यवस्था की बदहाल स्थिति निगम की व्यवस्थाओं की पोल खोल रही है। नगर निगम क्षेत्र में जगह-जगह लगे कचरे के ढेर और नियमित सफाई के अभाव ने स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर निगम की गंभीरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

शहर के वार्ड क्रमांक 24 गुरुनानक नगर में सफाई व्यवस्था की स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक बनी हुई है। यहां करतार भवन के पीछे नगर निगम द्वारा पूरे वार्ड का कचरा डंप किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में गंदगी और दुर्गंध का माहौल व्याप्त हो गया है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि यह स्थान अब अस्थायी कचरा संग्रहण केंद्र में तब्दील हो चुका है, जहां प्रतिदिन बड़ी मात्रा में कचरा जमा किया जा रहा है। कचरे के ढेर से उड़कर आसपास फैल रही गंदगी और उससे उठने वाली दुर्गंध के कारण क्षेत्रवासियों का जीवन प्रभावित हो रहा है। स्थिति यह है कि करतार भवन के आसपास से गुजरना भी लोगों के लिए मुश्किल हो गया है।

गर्मी और बारिश के मौसम में समस्या और अधिक गंभीर हो जाती है, जिससे संक्रमण और संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका बढ़ गई है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि इस संबंध में कई बार नगर निगम के अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है तथा कचरे के डंपिंग स्थल को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग भी की गई है। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

रहवासियों का आरोप है कि निगम के जिम्मेदार अधिकारी उनकी शिकायतों को लगातार नजरअंदाज कर रहे हैं, जिसके चलते क्षेत्र में कचरा डंप करने का कार्य बदस्तूर जारी है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि जब नगर निगम स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन का दावा कर रहा है, तब गुरुनानक नगर क्षेत्र में इस तरह कचरे का अंबार लगना निगम की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न लगाता है। उनका मानना है कि यदि सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग हासिल करना मुश्किल होगा।

रहवासियों ने जिला प्रशासन और नगर निगम आयुक्त से मांग की है कि जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उक्त स्थल से कचरे का तत्काल उठाव कराया जाए तथा वैकल्पिक स्थान पर वैज्ञानिक तरीके से कचरा प्रबंधन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। क्षेत्रवासियों का कहना है कि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने के लिए भी बाध्य हो सकते हैं। स्वच्छता सर्वेक्षण-2026 की तैयारियों के बीच गुरुनानक नगर की यह स्थिति नगर निगम के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आई है। अब देखना यह होगा कि निगम प्रशासन स्थानीय नागरिकों की शिकायतों को कितनी गंभीरता से लेकर समाधान की दिशा में कदम उठाता है।

संजय के सुरों का जादू, झूम उठा जनसैलाब

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई स्टील प्लांट में सुदीर्घ सेवा के बाद स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) कॉर्पोरेट ऑफिस से सेवानिवृत्त और प्रख्यात गायक संजय सिंह के सुरों का जादू शिमला में चला। हिमाचल प्रदेश की सांस्कृतिक राजधानी शिमला में आयोजित प्रतिष्ठित इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल के मंच पर प्रसिद्ध गायक संजय सिंह ने अपनी शानदार और ऊर्जावान प्रस्तुति से दशर्कों का दिल जीत लिया। शिमला के प्रसिद्ध माल रोड पे यह कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें करीब 20 हजार संगीत प्रेमी उपस्थित थे। संगीत प्रेमियों की मौजूदगी में संजय सिंह ने अपने मधुर स्वर और प्रभावशाली गायन से पूरे वातावरण को संगीतमय बना दिया।

इस महोत्सव में देशभर के कलाकारों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान संजय सिंह ने एक से बढ़कर एक लोकप्रिय गीत प्रस्तुत किए। विशेष रूप से उनके द्वारा गाए गए सदाबहार गीत पुकारता चला हूँ मैं और गुलाबी आँखें ने दशर्कों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जैसे ही इन गीतों की धुन गूंजी, पूरा माल रोड तालियों की गड़गड़ाहट और उत्साह से गूंज उठा। युवा, बुजुर्ग और पर्यटक सभी गीतों की धुन पर झूमते नजर आए।

कार्यक्रम के दौरान कई दशर्कों ने मोबाइल की फ्लैश लाइट जलाकर उनका उत्साहवर्धन किया, जिससे पूरा वातावरण यादगार बन गया। आयोजकों ने संजय सिंह की प्रस्तुति को महोत्सव के प्रमुख आकषर्णों में से एक बताया। सांस्कृतिक और संगीत प्रेमियों ने भी उनके गायन की भरपूर सराहना की।

कार्यक्रम के समापन पर दशर्कों ने खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ कलाकार का अभिनंदन किया। संजय सिंह की यह यादगार प्रस्तुति इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल 2026 के सांस्कृतिक इतिहास में लंबे समय तक याद रखी जाएगी और संगीत प्रेमियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बनकर रहेगी।

भगवान बिरसा मुंडा का जीवन जल, जंगल और जमीन की रक्षा के संघर्ष की अमर गाथा : मुख्यमंत्री

बिरसा मुंडा चौक के रूप में मिलेगी नई पहचान, विभिन्न विकास कार्यों के लिए 37 लाख रुपये की घोषणा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-जशपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले के विकासखंड बगीचा के ग्राम डोंडराही में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष के अवसर पर उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने घोषणा की कि यह स्थल अब बिरसा मुंडा चौक के नाम से जाना जाएगा। मुख्यमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका जीवन अन्याय, शोषण और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष के साथ-साथ जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने जनजातीय अस्मिता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना सवोच्च बलिदान दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन आज भी जनजातीय समाज सहित पूरे देश को अपने अधिकारों, संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लेकर जनजातीय नायकों के योगदान को राष्ट्रीय पहचान दिलाने का कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। पीएम जनमन योजना और धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना के माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के 6,661 गांव इस योजना में शामिल हैं, जहां सड़क, पेयजल, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंचना जनजातीय समाज के सम्मान और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने जशपुर को जनजातीय संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्र बताते हुए कहा कि यहां स्थित अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम देशभर में जनजातीय समाज के उत्थान के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने मोदी की गारंटी के अधिकांश वादों को ढाई वर्षों के भीतर पूरा किया है। सरकार गठन के 24 घंटे के भीतर 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति प्रदान की गई थी, जिनमें से 10 लाख 60 हजार से अधिक आवास पूर्ण हो चुके हैं। किसानों को 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान का मूल्य दिया जा रहा है तथा 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीदी की जा रही है। किसानों को दो वर्षों का बकाया बोनस भी प्रदान किया गया है।उन्होंने कहा कि तेंदूपत्ता संग्रहण दर को 4,000 रुपये से बढ़ाकर 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा किया गया है। चरण पादुका योजना को पुनः प्रारंभ किया गया है तथा रामलला दर्शन और मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा दर्शन योजनाओं से हजारों लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की 6,000 से अधिक ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र प्रारंभ हो चुके हैं, जहां आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र सहित विभिन्न नागरिक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। भविष्य में प्रत्येक पंचायत में यह सुविधा उपलब्ध होगी। बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए संचालित मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना की जानकारी देते हुए कहा कि बकाया बिजली बिलों पर अधिभार पूरी तरह माफ किया जा रहा है।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय महामंत्री योगेश बापट ने भी भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर पद्मश्री जागेश्वर यादव, विधायक श्रीमती गोमती साय एवं श्रीमती रायमुनी भगत, छत्तीसगढ़ माटीकला बोर्ड के अध्यक्ष शंभूनाथ चक्रवर्ती, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, नगर पालिका जशपुर के उपाध्यक्ष यशप्रताप सिंह जूदेव, अन्य जनप्रतिनिधिगण, प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

खास खबर

अवैध गिट्टी परिवहन मामले में खनिज विभाग ने किए दो वाहन जब्त

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजनांदगांव जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन और परिवहन मामले में शुक्रवार को कोहका क्षेत्र में गिट्टी का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर खनिज विभाग ने दो वाहनों को जब्त कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। मामले में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर जितेंद्र यादव के निर्देश पर खनिज विभाग की टीम ने बीजाभांठा, तुमड़ीबोड़, कोहका, मारगांव, दीवानभेड़ी, मचानपार, मटिया और डोंगरगांव क्षेत्र में आकस्मिक निरीक्षण किया। जांच के दौरान कोहका क्षेत्र में बिना वैध अनुमति चूना पत्थर (गिट्टी) का परिवहन करते हुए दो वाहन पकड़े गए।

विभाग ने ग्राम पटपर निवासी भोला देवदास के स्वामित्व वाले माजदा वाहन (सीजी 08 एएफ 0152) तथा चिचोला निवासी अशरफ अली के स्वामित्व वाले हाईवा (सीजी 08 एएन 8053) को जब्त किया। दोनों वाहनों को आगे की वैधानिक कार्रवाई के लिए थाना तुमड़ीबोड़ के सुपुर्द कर दिया गया है। खनिज विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर प्रभावी रोक लगाने के लिए लगातार गश्त, निगरानी और आकस्मिक जांच अभियान चलाया जा रहा है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बालोद में अवैध उत्खनन और परिवहन पर लगातार हो रही सख्त कार्रवाई, तीन हाइवा वाहन जब्त

रायपुर-बालोद। छत्तीसगढ़ में खनिजों के अवैध खनन और परिवहन पर प्रशासन ने जीरो-टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए सघन जांच अभियान शुरू किया है। खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीमें औचक निरीक्षण कर रही हैं और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भारी जुर्माना व जब्ती की कार्रवाई की जा रही है। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए बालोद जिले में लगातार सघन कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार खनिज विभाग की टीम द्वारा आज बालोद एवं गुरूर विकासखंड क्षेत्र में औचक निरीक्षण अभियान चलाया गया।

निरीक्षण के दौरान रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर खनिज विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 03 हाइवा वाहनों को जब्त किया। जब्त वाहनों को नियमानुसार थाना एवं आरक्षी केन्द्र बालोद तथा सनौद की अभिरक्षा में रखा गया है। जिला खनि अधिकारी ने बताया कि जिले में अवैध खनिज गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए नियमित रूप से जांच एवं निरीक्षण अभियान संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध खनिज नियमों के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने कहा कि खनिज जांच दल द्वारा आगे भी जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सतत निगरानी रखी जाएगी तथा अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।, ताकि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके और खनिज नियमों का प्रभावी पालन हो।

मुख्यमंत्री साय से महाराष्ट्र के विधायक प्रतिनिधिमंडल ने की सौजन्य मुलाकात

किसान हितैषी नीतियों ने दिलाई छत्तीसगढ़ को नई पहचान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में महाराष्ट्र के विधायक प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से छत्तीसगढ़ में धान खरीदी व्यवस्था, किसानों के हित में संचालित योजनाओं, कृषि क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतिनिधिमंडल का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है और यहां की बड़ी आबादी खेती-किसानी पर निर्भर है। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को बस्तर की समृद्ध आदिवासी कला एवं संस्कृति के प्रतीक बस्तर आर्ट का स्मृति-चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और राज्य सरकार किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए समन्वित रूप से कार्य कर रही हैं। छत्तीसगढ़ में किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के साथ-साथ कृषि निवेश में सहायता, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, आधुनिक तकनीकों का उपयोग और फसल विविधीकरण को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है।

राज्य सरकार द्वारा खरीफ विपणन वर्ष में लगभग 141 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया है, जो देश में धान खरीदी के सबसे बड़े अभियानों में से एक है। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा के लिए प्रदेशभर में लगभग 2700 धान उपार्जन केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जहां पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित तरीके से धान की खरीदी की जाती है। धान के सुरक्षित भंडारण के लिए संग्रहण केंद्रों और गोदामों का व्यापक नेटवर्क विकसित किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके लिए पंजीयन से लेकर धान तौल, परिवहन और भुगतान तक की प्रक्रिया को तकनीक आधारित और सरल बनाया गया है। किसानों को समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने के साथ ही विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल को मुख्यमंत्री ने कृषक उन्नति योजना सहित राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार खेती को अधिक लाभकारी बनाने तथा किसानों की आय में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। कृषि के साथ-साथ पशुपालन, मत्स्य पालन और अन्य आयवर्धक गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण परिवारों की आमदनी में वृद्धि हो रही है।

चर्चा के दौरान महाराष्ट्र के विधायक प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने बताया कि छत्तीसगढ़ से लगे महाराष्ट्र के चार जिलों में बड़ी संख्या में किसान धान की खेती करते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की धान खरीदी व्यवस्था, किसानों को मिलने वाला समर्थन और प्रशासनिक प्रबंधन अत्यंत प्रभावी एवं अनुकरणीय है। राज्य में किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य उपलब्ध कराने तथा खरीदी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए किए गए प्रयास सराहनीय हैं। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि छत्तीसगढ़ का धान खरीदी मॉडल किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण का सफल उदाहरण है। उन्होंने इस मॉडल के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन कर महाराष्ट्र के धान उत्पादक क्षेत्रों में भी ऐसे प्रयासों को आगे बढ़ाने की बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्यों के बीच अनुभवों और सफल मॉडलों का आदान-प्रदान देश के कृषि क्षेत्र को और अधिक मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के अध्ययन भ्रमण से राज्यों को एक-दूसरे के सफल अनुभवों से सीखने और उन्हें स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप अपनाने का अवसर मिलता है। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, महाराष्ट्र के विधायक डॉ. परिणय फुके, विनोद अग्रवाल, राजू कारेमोरे एवं संजय पुराम, छत्तीसगढ़ मार्कफेड के अध्यक्ष शशिकांत द्विवेदी, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

स्वस्थ बच्चे ही देश का मजबूत भविष्य- राजस्व मंत्री वर्मा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-बलौदाबाजार

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले से कुपोषण को जड़ से मिटाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा एक अनूठी पहल की शुरुआत की गई है। राज्य के राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने शुक्रवार को नगर भवन बलौदाबाजार में आयोजित कार्यक्रम में सुपोषित बचपन अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं बच्चों को पौष्टिक लड्डू खिलाकर उन्हें कुपोषण से लड़ने और मजबूत बनने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने जिला प्रशासन के इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि बच्चों में कुपोषण दूर करने के लिए एक बेहद सकारात्मक सोच के साथ इस अभियान की शुरुआत हुई है। यदि हमारे बच्चे स्वस्थ रहेंगे, तभी देश का भविष्य भी मजबूत होगा। इस विशेष पौष्टिक लड्डू में कई तरह के उच्च पोषक तत्व शामिल हैं, जो बच्चों के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार लाएंगे। मंत्री श्री वर्मा ने माता-पिता की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों को शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने के साथ-साथ मानसिक विकास के लिए अच्छे संस्कार देना भी जरूरी है। उन्होंने माताओं से अपील की कि वे बच्चों को प्रेम के साथ अनुशासन भी सिखाएं और उन्हें देश का एक अच्छा नागरिक बनाएं।

कलेक्टर ने कार्यक्रम में अभियान की विस्तृत रूपरेखा साझा की। उन्होंने कहा कि जिले के 1626 आंगनबाड़ी केंद्रों में से 1500 केंद्रों के लगभग 9000 बच्चे गंभीर एवं मध्यम कुपोषित चिन्हित किए गए हैं। इन सभी बच्चों को आगामी 6 माह के भीतर सुपोषित करने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान के तहत इन बच्चों को सप्ताह में 6 दिन, प्रतिदिन सुबह 10 बजे आंगनबाड़ी केंद्र में सहायिका द्वारा एक-एक पौष्टिक लड्डू खिलाया जाएगा।

कलेक्टर ने बताया कि अभियान के तहत जिले के सभी 1200 गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों की विशेष देखभाल के तहत चिरायु टीम द्वारा सभी 1200 बच्चों का विशेष कार्ड बनाया जाएगा। सबसे पहले प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में इनका गहन स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयां दी जाएंगी। इसके बाद आवश्यकतानुसार बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराया जाएगा। इसके लिए 15-15 दिनों की रोटेशन लिस्ट तैयार की गई है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष, पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, बड़ी संख्या में माताएं और बच्चे उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने इंटिग्रेटेड स्पोर्ट्स स्टेडियम का किया स्थल निरीक्षण

कुछ दिनों पहले शुरू हुआ है काम, 91 करोड़ से अधिक की लागत से 34 एकड़ में बन रहा इंटिग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-रायगढ़

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने अपने रायगढ़ प्रवास के दौरान पुसौर विकासखंड के ग्राम लोहरसिंग में बन रहे इंटिग्रेटेड स्पोर्ट्स स्टेडियम के स्थल का निरीक्षण किया। वहां कुछ दिनों पहले ही इंटिग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के प्रशासनिक भवन, छात्रावास, स्टॉफ-रूम एवं पहुंच मार्ग का काम शुरू हुआ है। श्री साव ने कार्यों में तेजी लाते हुए निर्धारित समयावधि में पूर्ण गुणवत्ता के साथ इसका निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिए।

रायगढ़ में 91 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से 34 एकड़ में इंटिग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाया जा रहा है। यहां फुटबॉल, एथलेटिक्स, इनडोर स्टेडियम, स्विमिंग पूल, हॉकी और तीरंदाजी सहित 18 खेलों की सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यस्थल के निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों को प्राक्कलन के अनुसार समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य संपादित करने के निर्देश दिए।

श्री साव ने रायगढ़ के खेल एवं युवा कल्याण विभाग की सहायक संचालक श्रीमती प्रतिमा सागर को जिले में खेल संघों का गठन कर इनके माध्यम से खिलाड़ियों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने समय-समय पर इंटिग्रेटेड स्पोर्ट्स स्टेडियम के निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने को कहा। उन्होंने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले रायगढ़ जिले के खिलाड़ियों को विशेष रूप से सहयोग प्रदान करने के भी निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने निरीक्षण के दौरान कहा कि यह आधुनिक खेल परिसर रायगढ़ और पूरे क्षेत्र के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करेगा। हमारा लक्ष्य ऐसा विश्वस्तरीय खेल अधोसंरचना विकसित करना है, जहां राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं हो सके। यह सवर्सुविधायुक्त इंटिग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स जिले में खेल गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, रायगढ़ नगर निगम के आयुक्त बृजेश सिंह छत्री और लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता अमित कश्यप भी निर्माणाधीन इंटिग्रेटेड स्पोर्ट्स स्टेडियम के निरीक्षण के दौरान मौजूद थे।

मोदी सरकार के 12 वर्षों में रोजगार, गरीब कल्याण और अर्थव्यवस्था को मिली नई मजबूती : उद्योग मंत्री

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में रोजगार सृजन, गरीब कल्याण और आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। प्रधानमंत्री के 12 वर्षों के कायर्काल में भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं। यह बात प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में कही।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा डीबीटी के माध्यम से प्रोत्साहन राशि वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका सीधा प्रसारण रायपुर स्थित एम्स ऑडिटोरियम में देखा गया। इस अवसर पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी, लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।

रोजगार सृजन को नई गति देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के तहत आज 2,400 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित की। योजना के माध्यम से अब तक 15 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ है। विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया तथा केंद्रीय राज्य मंत्री सुश्री शोभा करांदलाजे भी उपस्थित रहीं। योजना के अंतर्गत पहली बार नौकरी प्राप्त करने वाले युवाओं को एक माह के वेतन के बराबर अधिकतम 15,000 रुपये तक की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। वहीं अतिरिक्त रोजगार सृजित करने वाले नियोक्ताओं को प्रत्येक नई नियुक्ति पर अधिकतम 3,000 रुपये प्रतिमाह तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी, जिससे उद्योगों और संस्थानों में भर्ती को बढ़ावा मिलेगा।

श्री देवांगन ने कहा कि 99 हजार 446 करोड़ रुपये के कुल व्यय वाली इस महत्वाकांक्षी योजना का लक्ष्य अगले दो वर्षों में देशभर में 3.5 करोड़ से अधिक रोजगार का सृजन करना है। इनमें लगभग 1.92 करोड़ ऐसे लाभार्थी होंगे, जिन्हें पहली बार औपचारिक रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय श्रम मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के नेतृत्व में श्रम एवं रोजगार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं।

मंत्री श्री देवांगन ने बताया कि राज्य सरकार की नई औद्योगिक नीति को उद्योग जगत का व्यापक समर्थन मिला है और इसके परिणामस्वरूप अब तक 8 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। इससे प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री के 12 वर्षों के कायर्काल में रोजगार, गरीबी उन्मूलन और आर्थिक विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल हुई हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में लागू नई औद्योगिक नीति में युवाओं को बेहतर रोजगार उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया है।

लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री मोदी लगातार नवाचार आधारित योजनाएं लागू कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में एनआईटी, आईआईटी, आईआईएम और नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान मौजूद हैं। उद्योग विभाग को इन संस्थानों के युवाओं को कौशल विकास और रोजगार से जोड़ने के लिए विशेष पहल करनी चाहिए। नगरनार और बैलाडीला जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में भी प्रशिक्षित युवाओं के लिए व्यापक रोजगार संभावनाएं उपलब्ध हैं। कार्यक्रम में कर्मचारी भविष्य संगठन के क्षेत्रीय कार्यालय के प्रमुख जयवर्धन इंगले ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उपस्थित अतिथियों ने विज्ञान भवन, नई दिल्ली से प्रसारित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन भी सुना।

संपादकीय

रामजी की सेवा करने का सौभाग्य मिला था तो सेवा करते

पांच सौ साल बाद रामलला का दिव्य,भव्य मंदिर अयोध्या में बना। रामलला चाहते थे पांच सौ साल अयोध्या में राममंदिर बने तो ठीक पांच सौ साल मंदिर बना और ऐसा मंदिर बना कि हर रामभक्त को देखने में अच्छा लगता है कि टाट में बरसों रहे हमारे रामलला का यह दिव्य मंदिर है ।जो लोग वहां राम लला के दर्शन को जाते है, वह अपने आपको सौभाग्यशाली मानते हैं कि इस जन्म में हमको अयोध्या के भव्य मंदिर में विराजे राम लला के दर्शन हुए। जो राम भक्त है, जिनमें राम के प्रति आस्था है, वह मंदिर पहुंचते हैं तो उनको जो अनुभूति होती है, वह शब्दों में बताई नही जा सकती। ऐसे दिव्य स्थान में जो लोग मंदिर का काम कर रहे है, रामलला का काम कर रहे हैं उनको सोचना चाहिए कि उनका कितना बड़ा सौभाग्य है कि उनको राम लला की सेवा करने का मौका मिला है। करोड़ो लोगों में से उनको यह मौका मिला है।

करोड़ों लोगों को जो मौका नहीं मिला वह अयोध्या के कुछ लोगों को मिला तो उनके लिए राम की सेवा से बढ़कर नगद रुपया,सोना चांदी ज्यादा अहम हो गया ।धन का लोभ आदमी का पतित करता है, राम मंदिर राम सेवा का धन मिला हुआ है लेकिन बड़े दुर्भाग्यशाली लोग हैं वे जो राम सेवा के धन को छोड़कर तुच्छ नगद पैसे, सोना, चांदी के पीछे पागल हुए और उसका फल उनको आने वाले दिनों में मिलेगा। वह जरूर पछताएंगे कि हमसे ऐसी गलती कैसे हो गई। धन का लोभ जब होता है तो आदमी के लिए भक्ति, आस्था कोई मायने नहीं रखती है, धन ही सबसे अहम हो जाता है, आदमी के पास धन आने लगता है तो आदमी चाहता है कि और आए, औरआए और एक दिन इसी धन लोभ के कारण वह संकट में फंसता है और तब उसको लगता है कि उससे गलती हो गई है।

राममंदिर बनने के बाद भक्तों का सैलाब रोज उमड़ने लगा तो राममंदिर में चढ़ावा भी बढ़ने लगा। देश से रोज हजारों लोग राममंदिर जाते हैं और कुछ न कुछ भक्तिभाव से चढ़ाते हैं तो वह रामजी की सेवा के लिए होता है, रामजी की सेवा करने वालों के लिए होता है। वह पैसा राममंदिर की तमाम व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए होता है। कुंभ से वक्त भीड़ बहुत बढ़ी और पहले से बहुत ज्यादा पैसा आने लगा तो राम सेवा में लगे लोगों के मन में पाप जगा होगा कि इतना ज्यादा पैसा आ रहा है तो इसमें थोड़ा बहुत हम ले लेंगे तो कम तो नहीं हो जाएगा। उन्होंने सोचा होगा कि हम लोगो को थोड़ा सा पैसा ले लेना तो समुद्र में से कुछ बूंद पानी लेने के समान है ।जब भ्रष्टाचार अकेले किया जाता है तो उसका पता जल्दी चल जाता है लेकिन जब भ्रष्टाचार मिलजुल कर किया जाता है तो उसका चलता है और देर से चलता है। रामलला के धन का लोभ जिन लोगों ने किया आखिर उनके नाम अब सामने आ रहे हैं। एसआईटी जांच कर रही है और पूछताछ का काम चल रहा है।

देश के तमाम रामभक्त चाहते हैं कि राम लला के धन का गबन जिन लोगों ने भी किया है, उनको कानून से कड़ी सजा मिलनी चाहिए ताकि फिर कोई राम लला के धन का लोभ मंदिर में रहकर न कर सके। ऐसे धन लोभियों को समाज भी सजा देगा क्योंकि वह इससे बाद जहां भी जाएंगे उनको उनके किए गए पाप के कारण अपमान का सामना करना पड़ेगा। वैसे भी हिंदू समाज मानता है और जानता है कि राम विरोधियों को उनके किए की सजा जरूर मिली है। मुगलों ने अपमान किया,उनका नामोनिशां मिट गया। रामजन्मभूमि पर कब्जा करने वालों को मुंह की खानी पड़ी है, कांग्रेस को सत्ता से बाहर होना पड़ा है तो रामविरोध के कारण। मोदी व योगी सत्ता में आए हैं तो रामजी की कृपा से आए हैं और रामजी की कृपा से अभी कई दशक तक रामजी की सेवा करते रहेंगे। जो निस्वार्थ भाव से राम जी की सेवा करते हैं उनको मोदी व योगी की तरह उच्च पद की प्राप्ति होती है और जो राम सेवा को छोड़कर पद व पैसा का लालच करते हैं उनको जेल जाना पड़ता है, पद से वंचित होना पड़ता है।

राम लला की सेवा करने वालों को राम लला के धन का मोह करते वक्त यह तो सोचना था कि कितनी बड़ी गलती कर रहे हैं और किसके राज में कर रहे हैं। रामजी तो पाप की सजा पापियों को देंगे ही और उन्होंने तो एक तरह से दे भी दी है कि उनके नाम सभी को पता चल रहे हैं कि यही लोग है जिन्होंने रामलला के धन का लोभ किया है। अभी ऐसे पापी लोगों को योगीराज में योगी की तरफ से सजा मिलनी बाकी है और योगी राज में ऐसा हो नहीं सकता कि कोई राम के धन का गबन करे और वह सजा से बच जाए ।अयोध्या में जब राममंदिर ट्रस्ट बन रहा था तो यह मान लिया गया था राम लला के धन का कोई लोभ नहीं कर सकता। मंदिर में जो भी आएगा वह राम लला का होगा और कोई उसका लोभ नहीं करेगा। अब जब साफ हो गया है कि रामलला के धन का लोभ भी मंदिर में सेवा करने वाले कर सकते हैं तो ऐसी व्यवस्था करनी जरूरी है कि रामलला का धन का मंदिर में कोई गबन नहीं कर सके। राम लला के धन को कोई अपना धन समझने की भूल न करे।

आरएसएस, मुसलमान और इंद्रेश कुमार!

सांप्रदायिक विवादों के बीच क्या बन पाएंगे

संजय उवाच

प्रो. संजय द्विवेदी

करीब दो दशक पहले की बात है इंद्रेश कुमार से छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में मेरी मुलाकात हुयी थी। आरएसएस के उन दिनों वे राष्ट्रीय पदाधिकारी थे, जयपुर उनका केंद्र था। एक दैनिक अखबार का स्थानीय संपादक होने के नाते मैं उनका इंटरव्यू करने पहुंचा था। अपने बेहद निष्पाप चेहरे और सुंदर व्यक्तित्व से उन्होंने मुझे प्रभावित किया। बाद में मुझे पता चला कि वे मुसलमानों को आरएसएस से जोड़ने के काम में लगे हैं। रायपुर में भी उनके तमाम चाहने वाले अल्पसंख्यक वर्ग में भी मौजूद थे। उनसे थोड़े ही समय के बाद आरएसएस की प्रतिनिधि सभा में रायपुर में फिर मुलाकात हुयी। वे मुझे पहचान गए। उनकी स्मरण शक्ति पर थोड़ा आश्चर्य भी हुआ कि वे सालों पहले हुयी मुलाकातों और मेरे जैसे साधारण आदमी को भी याद रखते हैं। इस नायाब आदमी पर एक मौजूं शेर है, जो उनकी शख्सियत पर फिट बैठता है–

मसला यह भी इस दुनिया में
कोई अच्छा है तो अच्छा क्यों है।

सही मायनों में यह व्यक्तित्व एक ऐसा अभियान में लगा है जो कई बार विफल हो चुका है। कट्टरपंथी ताकतें बहुत आसानी से मुस्लिम समाज को भ्रमित करने में कामयाब होती रही हैं। ऐसे कठिन समय में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक इंद्रेश जी हिंदू–मुस्लिम एकता की बात करते हैं। वह मुसलमानों को राष्ट्रवाद की राह पर डालकर सदियों से उलझे रिश्तों को ठीक करने की बात करते हैं। क्योंकि आज नहीं अगर दस साल बाद भी इंद्रेश कुमार अपने इरादों में सफल हो जाते हैं तो भारतीय राजनीति में जाति और धर्म की राजनीति करने वाले नेताओं की दुकान बंद हो जाएगी। वे एक ऐसा आदमी हैं जो सदियों से जमी बर्फ को पिघलाने की कोशिशें कर रहे हैं।

अविश्वास की आग में जल रहे रिश्ते–

अब उन इंद्रेश कुमार की भी सोचिए जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन में काम करते रहे हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज का संगठन है। ऐसे संगठन में रहते हुए मुस्लिम समाज से संवाद बनाने की कोशिश क्या उनके अपने संगठन (आरएसएस) में भी तुरंत स्वीकार्य हो गयी होंगी। जाहिर तौर पर इंद्रेश कुमार की लड़ाई अपनों से भी रही होगी और बाहर खड़े राजनीतिक षडयंत्रकारियों से भी है। वे अपनों के बीच भी अपनी सफाई देते रहे हैं कि वे आखिर मुसलमानों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास क्यों कर रहे हैं, जबकि संघ का मूल काम हिंदू समाज का संगठन है। किंतु इंद्रेश कुमार की कोशिशें रंग लाने लगी हैं। वे एक ऐसे काम को अंजाम दे रहे हैं जिसकी जड़ें हिंदुस्तान के इतिहास में बहुत भयावह और रक्तरंजित हैं। मुसलमानों के बीच कायम भयग्रंथि और कुठांओं को निकालकर उन्हें 1947 के बंटवारे को जख्मों से अलग करना भी आसान काम नहीं है। महात्मा गांधी, पंडित नेहरू, सरदार पटेल, मौलाना आजाद जैसे महानायकों की मौजूदगी के बावजूद हम देश का बंटवारा नहीं रोक पाए। उस आग में आज भी कश्मीर जैसे इलाके सुलग रहे हैं।

लोगों के लड़ने से किसका भला है–

तमाम हिंदुस्तान में हिंदू–मुस्लिम रिश्ते अविश्वास की आग में जल रहे हैं। ऐसे कठिन समय में इंद्रेश कुमार क्या इतिहास की धारा की मोड़ देना चाहते हैं और उन्हें यह तब क्यों लगना चाहिए कि यह काम इतना आसान है। देश को पता है कि इंद्रेश कुमार, आरएसएस के ऐसे नेता हैं जो मुसलमानों और हिंदू समाज के बीच संवाद के सेतु बने हैं। वे लगातार मुसलमानों के बीच काम करते हुए देश की एकता को मजबूत करने का काम कर रहे हैं। हिंदू–मुस्लिम एकता का यह राष्ट्रवादी दूत इसीलिए एक समय राजनीतिक षडयंत्रों का शिकार भी हुआ। संकीर्ण राजनीतिक हितों के लिए कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दल पुलिस का इस्तेमाल करते रहे हैं, किंतु राजनीतिक दल इस स्तर पर गिरकर एक राष्ट्रवादी व्यक्तित्व पर कलंक लगाने का काम करेंगें, यह देखना भी शमर्नाक था। इससे इतना तो साफ है कि कुछ ताकतें देश में ऐसी जरूर हैं जो हिंदू–मुस्लिम एकता की दुश्मन हैं। उनकी राजनीतिक रोटियां सिकनी बंद न हों, इसलिए दो समुदायों को लड़ाते रहने में ही इनकी मुक्ति है। शायद इसीलिए इंद्रेश कुमार निशाने पर थे क्योंकि वे जो काम कर रहे हैं वह इस देश की विभाजनकारी और वोटबैंक की राजनीति के अनूकूल नहीं था। लेकिन समय ने उन्हें बेदाग साबित किया।

हमें यह समझने की जरूरत है कि आखिर वे कौन से लोग हैं जो हिंदू–मुस्लिम समाज की दोस्ती में बाधक हैं। वे कौन से लोग हैं जिन्हें भय के व्यापार में आनंद आता है। हिंदुस्तान के 20 करोड़ मुसलमानों को देश की मुख्यधारा में लाने की यह कोशिश अगर विफल होती है तो शायद फिर कोई इंद्रेश कुमार हमें ढूंढना मुश्किल होगा ।कुछ लोग इंद्रेश कुमार जैसे लोगों के इरादे पर शक करके हम वही काम कर रहे हैं जो मुहम्मद अली जिन्ना और उनकी मुस्लिम लीग ने किया था जिन्होंनें महात्मा गांधी को एक हिंदू धार्मिक संत और कांग्रेस को हिंदू पार्टी कहकर लांछित किया था। राष्ट्र जीवन में ऐसे प्रसंगों की बहुत अहमियत नहीं है।

इस देश को यह कहने का साहस पालना ही होगा कि हमें एक नहीं हजारों इंद्रेश कुमार चाहिए जो एक हिंदू संगठन में काम करते हुए भी मुस्लिम समाज के बारे में सकारात्मक सोच रखते हों।

जनता का एजेंडा कहां है–

मुस्लिम समाज के संकट वस्तुतः भारतीय राजनीति और समाज के ही संकट हैं। उनकी चुनौतियां कम या ज्यादा गंभीर हो सकती हैं, पर वे शेष भारतीय समाज के संकटों से जरा भी अलग नहीं है। सही अर्थों में पूरी भारतीय राजनीति का चरित्र ही कमोबेश भावनात्मक एवं तात्कालिक महत्व के मुद्दों के इर्द–गर्द नचाता रहा है। आम जनता का दर्द, उनकी आकांक्षाएं और बेहतरी कभी भारतीय राजनीति के विमर्श के केंद्र में नहीं रही ।स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद की राजनीति का यह सामूहिक चरित्र है, अतएव इसे हिंदू, मुस्लिम या दलित राजनीति के परिप्रेक्ष्य में देखने को कोई अर्थ नहीं है और शायद इसलिए ह्यजनता का एजेंडाह्नकिसी की राजनीति का एजेंडा नहीं है। मुस्लिम नेताओं पर यह आरोप तो आसानी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने कौम को आर्थिक–सामाजिक रूप से पिछड़ा बनाए रखा, लेकिन क्या यही बात अन्य वर्गों की राजनीति कर रहे लोगों तथा मुख्यधारा की राजनीति करने वालों पर लागू नहीं होती ?

बेरोजगारी, अशिक्षा, अंधविश्वास, गंदगी, पेयजल ये समूचे भारतीय समाज के संकट हैं और यह भी सही है कि हमारी राजनीति के ये मुद्दे नहीं है। जीवन के प्रश्नों की राजनीति से इतनी दूरी वस्तुतः एक लोकतांत्रिक परिवेश में आश्चर्यजनक ही है। देश की मुस्लिम राजनीति का एजेंडा भी हमारी मुख्यधारा की राजनीति से ही परिचालित होता है। जाहिर है मूल प्रश्नों से भटकाव और भावनात्मक मुद्दों के इर्द–गिर्द समूची राजनीति का ताना बुना जाता है। इंद्रेश जी जैसे लोग समाज की सामूहिक चिंताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। पंथिक राजनीतिक के बजाए राष्ट्र प्रथम का भाव भरने का प्रयास कर रहे हैं।

हिंदुस्तान के हर मुसलमान नेता को एक ढोंग रचना पड़ता है। एक तरफ तो वह स्वयं को अपने समाज के बीच अपनी कौम और उसके प्रतीकों का रक्षक बताता है, वहीं दूसरी ओर उसे अपने राजनीतिक मंच (पार्टी) पर भारतीय राष्ट्र– राज्य के साथ अपनी प्रतिबद्धता का स्वांग रचना पड़ता है। समूचे भारतीय समाज की स्वीकृति पाने के लिए सही अर्थों में मुस्लिम राजनीति को अभी एक लंबा दौर पार करना है। आज की राजनीति में तो ऐसा संभव नहीं दिखता। भारतीय समाज में ही नहीं, हर समाज में सुधारवादियों और परंपरावादियों का संघर्ष चलता रहा है। मुस्लिम समाज में भी ऐसी बहसें चलती रही हैं। इस्लाम के भीतर एक ऐसा तबका पैदा हुआ, जिसे लगता था कि हिंदुत्व के चलते इस्लाम भ्रष्ट और अपवित्र होता जा रहा है। वहीं मीर तकी मीर, नजीर अकबरवादी, अब्दुर्रहीम खानखाना, रसखान की भी परंपरा देखने को मिलती है। हिंदुस्तान का आखिरी बादशाह बहादुरशाह जफर एक शायर था और उसे सारे भारतीय समाज में आदर प्राप्त था। एक तरफ औरंगजेब था तो दूसरी तरफ उसका बड़ा भाई दारा शिकोह भी था, जिसनें ह्यउपनिषद्ह्न का फारसी में अनुवाद किया। इसलिए यह सोचना कि आज कट्टरता बढ़ी है, संवाद के अवसर घटे हैं–गलत है। आक्रामकता अकबर के समय में भी थी, आज भी है।

यहां यह बात रेखांकित किए जाने योग्य है कि अल्पसंख्यक अपनी परंपरा एवं विरासत के प्रति बड़े चैतन्य होते हैं। वे चाहते हैं कि कम होने के नाते कहीं उनकी उपेक्षा न हो जाए । यह भयग्रंथि उन्हें एकजुट भी रखती है। अतएव वे भावनात्मक नारेबाजियों से जल्दी प्रभावित होते हैं। सो उनके बीच राजनीति प्रायः इन्हीं आधारों पर होती है। यह अकारण नहीं था कि नमाज न पढ़ने वाले मोहम्मद अली जिन्ना, जो नेहरू से भी ज्यादा अंग्रेज थे, मुस्लिमों के बीच आधार बनाने के लिए कट्टर हो गए । मुस्लिम राजनीति वास्तव में आज एक खासे द्वंद में हैं, जहां उसके पास नेतृत्व का संकट है । मुस्लिम समाज में अब राजनीति के अलावा सामाजिक, आर्थिक, समाज सुधार, शिक्षा जैसे सवालों पर बातचीत शुरु हो गई है । सतह पर दिख रहा मुस्लिम राजनीति का यह ठंडापन एक परिपक्वता का अहसास कराता है । मुस्लिम समाज में वैचारिक बदलाव की यह हवा जितनी तेज होगी, समाज उतना ही प्रगति करता दिखेगा। एक सांस्कृतिक आवाजाही, सांस्कृतिक सहजीविता ही इस संकट का अंत है । जाहिर है इसके लिए नेतृत्व का पढ़ा, लिखा और समझदार होना जरुरी है । नए जमाने की हवा से ताल मिलाकर यदि देश का मुस्लिम अपने ही बनाए अंधेरों को चीरकर आगे आ रहा है तो भविष्य उसका स्वागत ही करेगा । वैसे भी धार्मिक और जज्बाती सवालों पर लोगों को भड़काना तथा इस्तेमाल करना आसान होता है । गरीब और आम मुसलमान ही राजनीतिक षडयंत्रों में पिसता तथा तबाह होता है, जबकि उनका इस्तेमाल कर लोग ऊंची कुसिर्यां प्राप्त कर लेते हैं और उन्हें भूल जाता हैं । अभिजात्य और जमाने की दौड़ में आगे आ गए मुस्लिम नेता दरअसल अपने कौम की खिदमत और उसे रास्ता बताने के बजाए उन्हें उसी बदहाली में रहने देना चाहते हैं इस संदर्भ में प्रख्यात शायर अकबर इलाहाबादी का यह शेर हमारी मुस्लिम राजनीति के ही नहीं, समूची भारतीय राजनीति के चरित्र को बेनकाब करता है–

'इस्लाम की अजमत का क्या जिक्र करुं हमदम
काउंसिल में बहुत सैय्यद, मस्जिद में फकत जुम्मन'

भारतीय समाज में इंद्रेश कुमार जैसे लोग इसलिए एक नया उजाला लेकर आ रहे हैं। संवाद के माध्यम से नया भारत बना रहे हैं।

समरस समाज बनाने की चुनौती–

भाजपा भी आगे बढ़कर मुस्लिम समाज से संवाद कर रही है तो मुस्लिम नेतृत्व को भी भरोसा रखते हुए उनकी बात सुननी चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का हौव्वा खड़ा कर आरएसएस के लिए प्रलाप किया जा रहा है। यह कहा जा रहा है कि संघ मुस्लिम विरोधी है। जबकि वास्तविकता इसके विपरीत है। आरएसएस के नेताओं ने राष्ट्रीय मुस्लिम मंच के सहयोग से मुस्लिम समाज से संवाद प्रारंभ किया है। आपातकाल के समय जमाते इस्लामी और आरएसएस के नेता कई जेलों में एक साथ थे। उनके बीच बेहतर रिश्ते भी विकसित हुए थे। इसलिए मुस्लिम वोटों की ठेकेदारी करने के बजाए मुस्लिम समाज को स्वतंत्र रूप से सोचने और अपने फैसले करने का अवसर देना चाहिए। भाजपा भी अब राजनीतिक रूप से अछूत नहीं है। उसकी अटलजी के नेतृत्व वाली सरकार में उमर अब्दुला से लेकर सभी तथाकथित सेकुलर दलों के लोग मंत्री रह चुके हैं। अटलजी से लेकर नरेंद्र मोदी जी तक की सरकारों में क्या उनके चरित्र में कहीं अल्पसंख्यक विरोधी रवैया ध्वनित होता है? सच्चाई तो यह है कि वाजपेयी सरकार ने न सिर्फ डा. एपीजे कलाम को देश के राष्ट्रपति पद पर प्रतिष्ठित किया वरन बाद के राष्ट्रपति चुनाव में एक ईसाई आदिवासी पीए संगमा को अपना समर्थन दिया था। सही तो यह है कि भाजपा और नरेंद्र मोदी के विरूद्ध अभियान चलाने वाले मुस्लिम वोटों के सौदागर हिंदु–मुस्लिम रिश्तों में सहजता के विरोधी हैं।

इंद्रेश कुमार को हमारे समय का ऐसा नायक कहा जा सकता है जो वैश्विक तौर पर बन गयी इस्लाम की छवि को बदलने के लिए भारतीय मुसलमानों का नेतृत्व कर रहे हैं। वे मानवता के अग्रदूत हैं जहां सब राष्ट्र प्रथम की भावना रखकर देश के नवनिर्माण में लगे हैं। वे यह मानते हैं कि देश सबके योगदान और सबकी प्रगति से ही विश्वगुरु बनेगा। अपनी–अपनी भूमिका सबको निभानी होगी। राष्ट्रीय मुस्लिम मंच उनकी साधना का प्रतिफल है। एक नया सवेरा आएगा, ऐसा भरोसा उनकी संकल्पशक्ति से होता है। वे शतायु हों और एक समर्थ, समरस और आत्मीयता से भरा भारत अपनी आँखों से देखें,यही प्रार्थना है।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

जी–7 क्या है? इसके वैश्विक मायने क्या हैं? दुनिया के विभिन्न महत्वपूर्ण देशों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा?

कमलेश पांडेय

दुनिया के अस्ताचलगामी शक्तिशाली देशों के रणनीतिक संगठन जी–7 की शिखर बैठक फ्रांस के एवियां (Évian-les-Bains) शहर में 15–17 जून 2026 तक आयोजित हुई, जिसमें महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसी बैठ में सवा साल मोदी–ट्रंफ की भी मुलाकात हुई, जिसका अपना बहुपक्षीय महत्व है। जी–7 क्या है? इसके वैश्विक मायने क्या हैं? और दुनिया के विभिन्न महत्वपूर्ण देशों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा? इसकी चुनौतियां क्या हैं और किस बात के लिए आलोचनाएं होती हैं? जवाब निम्नलिखित है– जी–7 क्या है?

जी–7 में सात प्रमुख औद्योगिक लोकतांत्रिक देश शामिल हैं: संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान। इसके अलावा यूरोपीय संघ भी स्थायी भागीदार के रूप में शामिल होता है। यह कोई औपचारिक अंतरराष्ट्रीय संगठन नहीं है; इसका न तो कोई संविधान है और न ही स्थायी सचिवालय।

जी–7 शिखर सम्मेलन का सबसे से बड़ा भू–राजनीतिक संदेश

2026 का फ्रांस जी–7 शिखर सम्मेलन यह संकेत देता है कि विश्व व्यवस्था अब केवल अमेरिका–चीन प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं रही, बल्कि अब तीन बड़े मुद्दे एक साथ उभर रहे हैं:– एक, सुरक्षा (यूक्रेन, मध्य पूर्व); दो, अर्थव्यवस्था (वैश्विक असंतुलन, सप्लाई चेन); और तीन, प्रौद्योगिकी (अक डिजिटल शासन)। यदि जी–7 इन तीनों क्षेत्रों में साझा रणनीति बना पाता है, तो आने वाले वर्षों में वैश्विक शक्ति–संतुलन पश्चिमी लोकतांत्रिक देशों और उनके साझेदारों (भारत, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया आदि) के पक्ष में झुक सकता है। वहीं चीन और रूस को अपने वैकल्पिक गठबंधनों को और मजबूत करना पड़ेगा।

जी 7 शिखर बैठक के प्रमुख वैश्विक मायने

जी 7 शिखर बैठक के प्रमुख वैश्विक मायने निम्नलिखित हैं, जिन्हें समझकर और साधकर कोई भी देश आगे बढ़ सकता है।

पहला:

यूक्रेन–रूस युद्ध पर पश्चिमी एकजुटता की परीक्षा: जी–7 देशों ने यूक्रेन को समर्थन जारी रखने और रूस पर दबाव बनाए रखने पर चर्चा की। यूक्रेनी राष्ट्रपति Volodymyr Zelensky की मौजूदगी ने संकेत दिया कि यूरोप चाहता है कि युद्ध का समाधान यूक्रेन की शर्तों के अनुरूप हो। लिहाजा इसका प्रभाव यह होगा कि रूस पर आर्थिक और कूटनीतिक दबाव बढ़ सकता है।

यूरोपीय सुरक्षा ढांचे में नाटो की भूमिका और मजबूत हो सकती है। वैश्विक हथियार एवं रक्षा उद्योग को लाभ मिल सकता है। भू–राजनीतिक संकटों पर सामूहिक प्रतिक्रिया: रूस–यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया की स्थिति, समुद्री व्यापार मार्गो की सुरक्षा और प्रतिबंधों जैसे मुद्दों पर जी–7 देशों की सामूहिक रणनीति अंतरराष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित करती है।

दूसरा:

अमेरिका–ईरान समझौते के बाद पश्चिम एशिया की नई राजनीतिः यह सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है जब अमेरिका और ईरान के बीच प्रारंभिक शांति समझौता सामने आया है। जी–7 नेताओं ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की सुरक्षा और ऊर्जा आपूर्ति पर विशेष चर्चा की। इसका प्रभाव यह होगा कि अरब–खाड़ी देशों को राहत मिल सकती है। तेल कीमतों में स्थिरता आ सकती है। ईरान के वैश्विक आर्थिक पुनसर्मावेशन की संभावना बढ़ सकती है।

तीसरा :

चीन के लिए स्पष्ट संदेशः फ्रांस की अध्यक्षता वाले जी–7 का प्रमुख एजेंडा "वैश्विक आर्थिक असंतुलन" और आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा है, जिसे व्यापक रूप से चीन पर निर्भरता कम करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। इसका प्रभाव यह होगा कि चीन पर व्यापारिक दबाव बढ़ सकता है। "फ्रेंड–शोरिंग" और "चाइना+1" रणनीति को बल मिलेगा। भारत, वियतनाम, इंडोनेशिया और मेक्सिको जैसे देशों को निवेश आकर्षित करने का अवसर मिलेगा। हाल के वर्षों में जी–7 चीन की औद्योगिक क्षमता, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और वैश्विक निवेश पहलों के विकल्प तैयार करने पर जोर दे रहा है।

चौथा :

अकऔर डिजिटल शासन पर वैश्विक नियमों की दिशाः जी–7 में अकके भविष्य, डिजिटल सुरक्षा और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म नियमन पर भी चर्चा हुई। इसका प्रभाव यह होगा कि अकके लिए अंतरराष्ट्रीय मानक विकसित हो सकते हैं। अमेरिका और यूरोप के बीच तकनीकी सहयोग बढ़ सकता है। चीन की डिजिटल कंपनियों के लिए नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक), क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और महत्वपूर्ण खनिजों पर साझा मानक विकसित करना अब जी–7 की प्राथमिकताओं में शामिल है।

पांचवां :

विश्व अर्थव्यवस्था की दिशा तय करनाः जी–7 देश वैश्विक अर्थव्यवस्था का लगभग 29% हिस्सा रखते हैं। इसलिए ब्याज दरों, व्यापार, आपूर्ति श्रृंखलाओं, ऊर्जा और वित्तीय स्थिरता से जुड़े इनके फैसलों का असर पूरी दुनिया पर पड़ता है।

छठा:

जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सुरक्षाः स्वच्छ ऊर्जा, कार्बन उत्सर्जन में कमी और ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा पर लिए गए निर्णय विकासशील देशों की नीतियों को भी प्रभावित करते हैं।

विभिन्न देशों पर इस शिखर बैठक के संभावित प्रभाव

जहां तक विभिन्न देशों पर इस शिखर बैठक के संभावित प्रभाव की बात है तो– अमेरिकाः यूएस को वैश्विक नेतृत्व पुनर्स्थापित करने का अवसर मिलेगा। ईरान समझौते और यूक्रेन नीति पर समर्थन जुटाने की कोशिश रंग लाएगी। चीन के विरुद्ध आर्थिक गठबंधन मजबूत करने का प्रयास परवान चढ़ेगा।

चीनः

चीन को जी–7 की आर्थिक और तकनीकी रणनीतियों से सबसे अधिक प्रभावित देश समझा जा रहा है, क्योंकि पश्चिमी देशों द्वारा वैकल्पिक सप्लाई चेन बनाने की कोशिश चीन के निर्यात मॉडल को चुनौती दे सकती है।

रूसः

रूस को नए प्रतिबंधों और यूक्रेन समर्थन के कारण दबाव बढ़ सकता है। रूस को चीन, ईरान और ग्लोबल साउथ देशों के साथ संबंध और मजबूत करने पड़ सकते हैं।

यूरोपः

यूक्रेन और रूस मुद्दे पर यूरोप की सामूहिक रणनीति मजबूत होगी। ऊर्जा सुरक्षा और औद्योगिक प्रतिस्पर्धा पर नया रोडमैप बन सकता है।

अरब–खाड़ी देशः

ईरान–अमेरिका वार्ता और होर्मुज की स्थिरता से आर्थिक लाभ मिलेगा। ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता कम हो सकती है।

भारतः

भारत जी–7 का सदस्य नहीं है, लेकिन आमंत्रित भागीदार के रूप में इसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। लिहाजा भारत के लिए अवसर यह होगा कि पश्चिमी देशों की "चाइना+1" नीति का सबसे बड़ा लाभार्थी बनने की संभावना है। इससे सेमीकंडक्टर, रक्षा, अकऔर हरित ऊर्जा में निवेश आकर्षित करने का अवसर मिलेगा। साथ ही अमेरिका, फ्रांस और यूरोप के साथ रणनीतिक साझेदारी गहरी हो सकती है। चूंकि भारत को अक्सर विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाता है। इससे भारत कोः वैश्विक आर्थिक नीति निर्माण में भागीदारी का अवसर मिलता है। तकनीक, निवेश और आपूर्ति श्रृंखला साझेदारी मजबूत करने का मौका मिलता है। विकसित देशों के साथ रणनीतिक संबंध गहरे होते हैं।

जहां तक चुनौतियाँ और आलोचनाएँ सम्बन्धी बात है तो जी–7 की आलोचना भी होती है क्योंकि इसमें उभरती अर्थव्यवस्थाएँ (जैसे चीन) सदस्य नहीं हैं। कई विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व सीमित है। निर्णय कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं होते। सदस्य देशों के बीच व्यापार, जलवायु और विदेश नीति को लेकर मतभेद बढ़ रहे हैं।

यह कहा जा सकता है कि जी–7 अब केवल अमीर देशों का क्लब नहीं है; बल्कि यह वैश्विक आर्थिक व्यवस्था, तकनीकी शासन, सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण मंच है। हालांकि इसकी प्रभावशीलता इस बात पर निर्भर करती है कि यह विकसित देशों के हितों से आगे बढ़कर व्यापक वैश्विक सहमति बना पाता है या नहीं।

केंद्रीय विद्यालय प्रगतिशील शिक्षक संघ के प्रतिनिधि मंडल ने उपायुक्त सोमा घोष से की मुलाकात

स्वास्थ्य सुविधाओं और ग्रीवेंस व्यवस्था को प्रभावी बनाने पर की गई चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

केंद्रीय विद्यालय प्रगतिशील शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय विद्यालय संगठन, रायपुर संभाग की उपायुक्त श्रीमती सोमा घोष से सौजन्य भेंट की। इस दौरान शिक्षकों की स्वास्थ्य सुविधाओं और अन्य प्रशासनिक समस्याओं के समाधान पर सार्थक चर्चा हुई।

स्वास्थ्य सुविधाओं को सुलभ बनाने की मांग

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संघ के अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार गिरी ने किया। उन्होंने शिक्षकों की मेडिकल सुविधाओं और अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं को और अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनाने की आवश्यकता बताई। महासचिव डॉ. अजय आर्य ने उपायुक्त को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया। साथ ही अपनी आध्यात्मिक कृति 'मुस्कुराइए, आप ईश्वर के सामने हैं' और काव्य संग्रह 'मुझको भी जीने की वजह दे दे' सादर भेंट की।

ग्रीवेंस दिवस को परिणाममूलक बनाने का आश्वासन

उपायुक्त सोमा घोष ने कहा कि शिक्षकों की स्वास्थ्य सुविधाओं सहित सभी वास्तविक समस्याओं के निराकरण के लिए प्रशासन पूर्ण रूप से संवेदनशील और प्रतिबद्ध है। उन्होंने शिक्षकों से निर्धारित ग्रीवेंस प्रणाली के माध्यम से समस्याएं प्रस्तुत करने का आग्रह किया। उपायुक्त ने आश्वस्त किया कि ग्रीवेंस दिवस को केवल औपचारिकता न बनाकर निरीक्षण, सतत अनुश्रवण और नियमित समीक्षा के माध्यम से अधिक प्रभावी और परिणाममूलक बनाया जाएगा, जिससे समस्याओं का समयबद्ध समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि शिक्षक सीधे संवाद करने में संकोच न करें।

संवाद से सुदृढ़ होगी कार्यसंस्कृति

संघ के अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार गिरी और महासचिव डॉ. अजय आर्य ने उपायुक्त के सकारात्मक और समाधानपरक दृष्टिकोण की सराहना की। उन्होंने विश्वास जताया कि शिक्षकों के हितों से जुड़े विषयों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण होगा। साथ ही कहा कि प्रशासन और शिक्षकों के बीच निरंतर संवाद से संगठनात्मक कार्यसंस्कृति और अधिक सुदृढ़ होगी।

प्रतिनिधिमंडल में शैलेंद्र कुमार गिरी नया रायपुर, गणेश राम कावड़े कुरूद, श्रीमती दिव्या साहू कुरूद, अनामिका कश्यप रायपुर और मुकेश कुमार देवांगन रायपुर सहित बड़ी संख्या में अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

खास खबर

दुर्ग के पायनियर स्मारक में 21 जून को मनाया जाएगा 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

आईएनओ के तत्वावधान में होगा योग महोत्सव, सांसद विजय बघेल होंगे मुख्य अतिथि

इंटरनेशनल नेचुरोपैथी ऑर्गेनाइजेशन छत्तीसगढ़ इकाई के तत्वावधान में 21 जून को प्रातः 7:00 से 8:00 बजे तक पायनियर स्मारक, दुर्ग में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भव्य योग महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

आयुष प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास

आयोजन संयोजक एवं आईएनओ के प्रदेश महामंत्री मनोज ठाकरे ने बताया कि कार्यक्रम में आयुष मंत्रालय के योग प्रोटोकॉल के अनुसार 45 मिनट का सामूहिक योगाभ्यास, सूर्य नमस्कार एवं विभिन्न योग क्रियाएं कराई जाएंगी। इस वर्ष की थीम "वृद्धावस्था के लिए योग" रखी गई है।

अतिथियों की उपस्थिति

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल होंगे। अध्यक्षता खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पांडे करेंगे। विशिष्ट अतिथियों में दुर्ग जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक एवं प्रदेश एनजीओ प्रकोष्ठ के संयोजक दिनेश सिंह उपस्थित रहेंगे।

योग गुरु ममता साहू कराएंगी योगाभ्यास

मुख्य योग शिक्षिका योग गुरु श्रीमती ममता साहू एवं उनकी टीम योगाभ्यास का संचालन करेगी। आयोजकों ने समाजसेवियों, विद्यार्थियों, योग साधकों एवं आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर योग को जन-जन तक पहुंचाने का आग्रह किया है।

आर्टकॉम के "हर आँगन एक पेड़" अभियान का आरंभ विजय बघेल के नेतृत्व में - निशु पाण्डेय

भिलाई। छत्तीसगढ़ की नामी संस्था आर्टकॉम जो कला,पर्यावरण एवं सामाजिक सरोकार पर कार्य करती है इस वर्ष भी निकल रही है ' अपने उद्देश्य, अपने लक्ष्य,अपने दायित्व को निभाने, अपने सदस्यों संग "हर आँगन एक पेड़" अभियान को लेकर, संस्था का उद्देश्य स्पष्ट है। हमारी निःशुल्क सेवाओं के लिए वही समूह आगे आये जो हमारे द्वारा लगाये पौधों को कम से कम दो वर्ष संरक्षण प्रदान कर सके अर्थात लगाये पौधों में खाद पानी की व्यवस्था कर सके। आर्टकॉम के अभियान "हर आँगन एक पेड़" का यह आठवा वर्ष है जिसका शुभारम्भ हम दुर्ग सांसद विजय बघेल के नेतृत्व में हैरीटेज इंटरनेशनल स्कूल से कर रहें है। आर्टकॉम संचालक निशु पाण्डेय ने बताया कि शुद्ध प्राणवायु एवं पीने योग्य शुद्ध भूमिगत जल के संरक्षण हेतु हम सम्पूर्ण समाज को अपने अभियान "हर आँगन एक पेड़" एवं "हर आँगन वाटर हार्वेस्टिंग" के माध्यम से जागरूक करने का प्रयास कर रहें है। इस वर्ष हमारा प्रयास होगा जिसके घर फालदार वृक्ष एवं वाटर हार्वेस्टिंग होगा। उन्हें हम संपत्ति कर में कुछ अंश का आर्थिक लाभ दिला पाये और इस प्रयास हेतु समाज के हर वर्ग का साथ हमें चाहिए होगा तभी हम हमारे प्रयासों में सफलता प्राप्त कर पायेंगे।

आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री को भावभीनी विदाई, सेवा, सम्मान और वैदिक विचारों का संगम बना समारोह

'दैनिक यज्ञ' और 'ऋषि दयानंद सरस्वती के 200 स्वर्णिम विचार' पुस्तकों का विमोचन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

वैदिक सत्संग समिति और भारतीय योग संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समारोह में अंतरराष्ट्रीय वैदिक प्रवक्ता आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री को भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर 'दैनिक यज्ञ' और 'ऋषि दयानंद सरस्वती के 200 स्वर्णिम विचार' पुस्तकों का विमोचन किया गया। दोनों पुस्तकों का श्रद्धालुओं और नागरिकों में निःशुल्क वितरण किया गया।

सेवा गौरव और महर्षि गौरव सम्मान से सम्मानित

कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को 'सेवा गौरव सम्मान' और 'महर्षि गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया। समारोह के सफल आयोजन में राजेंद्र अग्निहोत्री, शिव अग्रवाल, ए. एस. राव, राकेश दुबे, विनीत शर्मा तथा अन्य कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गुण और परोपकार को बताया जीवन का आधार

अपने उद्बोधन में आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री ने कहा कि मनुष्य का वास्तविक सौंदर्य उसके गुणों, विनम्रता और परोपकार में निहित होता है। बाहरी रूप, पद और प्रतिष्ठा क्षणिक हैं, किंतु श्रेष्ठ चरित्र ही जीवनभर व्यक्ति की पहचान बनता है। उन्होंने कहा कि "गुण न हों तो रूप व्यर्थ है, विनम्रता न हो तो विद्या व्यर्थ है, भूख न हो तो भोजन व्यर्थ है और परोपकार न हो तो सारा जीवन व्यर्थ है।"

उन्होंने सहज हास्य के माध्यम से आत्ममंथन का संदेश दिया। कहा कि आज कुछ लोग भगवान का नाम भूल सकते हैं, लेकिन मोबाइल का पासवर्ड कभी नहीं भूलते, क्योंकि स्मृति वहीं टिकती है जहाँ श्रद्धा और रुचि होती है। मनुष्य दूसरों की गलतियों को दूरबीन से देखता है, जबकि अपनी गलतियों को सूक्ष्मदर्शी से भी नहीं देख पाता।

स्वाध्याय और सत्संग को बताया जीवन का चार्जर

आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि व्यक्ति का भविष्य भाग्य से नहीं, बल्कि उसके विचारों, वाणी और आदतों से निर्मित होता है। शब्दों में सृजन और विनाश दोनों की शक्ति होती है। उन्होंने कहा कि "आजकल लोग मोबाइल की बैटरी 20 प्रतिशत होते ही चार्जर खोजने लगते हैं, लेकिन जब धैर्य, संस्कार और सदाचार की बैटरी समाप्त होने लगती है, तब उसे चार्ज करने का समय किसी के पास नहीं होता।" स्वाध्याय, सत्संग और आत्मचिंतन ही जीवन का वास्तविक चार्जर हैं।

विदाई पर भावुक हुआ वातावरण

विदाई अवसर पर वातावरण भावुक हो उठा। उपस्थित जनों ने आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनके पुनः छत्तीसगढ़ आगमन का आग्रह किया। कार्यक्रम का समापन वैदिक मंगलकामनाओं और विश्व कल्याण की प्रार्थना के साथ हुआ।

इस अवसर पर राजेंद्र अग्रवाल, शिव अग्रवाल, राकेश दुबे, एस. एन. राव, शैलेंद्र गिरी, डी. एन. शुक्ला, पतिराम साहू, विनीत शर्मा, राजेंद्र कुमार अग्रवाल अग्निहोत्री, अजय साहू, प्रताप पोपटानी, मंजू आश्वल्या, मधु बहादुर सिंह, रवि डडसेना, शिशिर हलधर, देवेश साहू, संजय शर्मा तथा ग्लैम छत्तीसगढ़ इंडिया-03 की हेमा सक्सेना, महेश वर्मा, मालती वर्मा, नवीन वर्मा, सोमी वर्मा, नरेश वर्मा धुरंधर, कल्याणी वर्मा, लेकेश्वर विश्वकर्मा, लक्ष्मण प्रसाद साहू, कृष्ण कुमार अग्रवाल, मधु त्रेहन, शशि जायसवाल, अल्पना कुंबलकर, अशोक, प्रज्ञा, प्राची और मैकू वर्मा सहित बड़ी संख्या में आर्यजन और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भिलाई को हरा-भरा बनाने पौधारोपण अभियान जारी, सेक्टर-4 उद्यान में लगाए गए पौधे

निगम की पहल, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने लिया संरक्षण का संकल्प

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर को हरा-भरा बनाने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को जोन-5 क्षेत्र के सेक्टर-04 स्थित सड़क क्रमांक 25 और 26 के मध्य उद्यान में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जोन आयुक्त के नेतृत्व में रोपे गए पौधे

कार्यक्रम में जोन आयुक्त अजय गौर के नेतृत्व में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद ईश्वरी नेताम, पूर्व पार्षद रिंकू साहू, उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू, सहायक अभियंता श्वेता महेश्वर, उप अभियंता शंकर सुमन मरकाम, सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, जोन स्वास्थ्य अधिकारी सागर दुबे, पर्यावरण मित्र मंडल से बालूराम वर्मा एवं अन्य संस्था के प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

नागरिकों से की गई पौधे लगाने की अपील

उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए पौधारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया और नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। निगम द्वारा आगामी दिनों में भी विभिन्न क्षेत्रों में वृहद पौधारोपण अभियान जारी रखा जाएगा, जिससे भिलाई को हरित और स्वच्छ शहर के रूप में विकसित किया जा सके।

आर्य समाज का 'जल दान महा अभियान' का 11वां चरण का हुआ समापन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भीषण गर्मी में राहत देने के उद्देश्य से कमर्चारी राज्य बीमा सेवाएँ औषधालय, राधिका नगर और रामशीला की कुटिया परिसर में 'जल दान महा दान' अभियान के तहत छाछ और नमकीन का वितरण किया गया। यह सेवा कार्य आर्य समाज मंदिर, सेक्टर 6 भिलाई के तत्वावधान में चलाए जा रहे अभियान का 11वां चरण था।

दीपिका प्रधान के सौजन्य से हुआ आयोजन

कार्यक्रम विशेष रूप से दीपिका प्रधान के सौजन्य से संपन्न हुआ। उनके सहयोग से परिसर में मरीजों, उनके परिजनों और उपस्थित जनसमुदाय को छाछ और नमकीन वितरित किया गया। दीपिका प्रधान ने कहा कि सेवा कार्यों में सहभागी बनना जीवन का सौभाग्य है। गर्मी के इस मौसम में जरूरतमंदों तक शीतल पेय पहुंचाना मानवता की सच्ची सेवा है।

सेवा को बताया आत्मिक उन्नति का मार्ग

आचार्य डॉ. अजय आर्य ने परोपकार को मानव जीवन का सवोच्च धर्म बताया। उन्होंने कहा कि सेवा केवल सामाजिक कर्तव्य नहीं बल्कि आत्मिक उन्नति का मार्ग भी है। निःस्वार्थ भाव से किया गया सेवा कार्य समाज में सद्भाव और मानवीय मूल्यों को सशक्त करता है। नमित क्षत्रिय ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सहयोग, संवेदना और एकता की भावना को मजबूत करते हैं और युवाओं को सेवा मार्ग से प्रेरित करते हैं। अनुभव राजकुमार भल्ला ने सभी सहयोगियों और आयोजनकर्ताओं का आभार प्रकट किया।

कार्यक्रम में नामित क्षत्रिय, राजकुमार भल्ला, सुशीला सिन्हा और डॉ. अजय आर्य उपस्थित रहे। औषधालय परिसर में मौजूद रोगियों और उनके परिजनों ने इस पहल की सराहना की। अंत में संकल्प लिया गया कि भविष्य में भी इसी प्रकार के सेवा अभियान निरंतर जारी रहेंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक सहयोग और राहत पहुंचाई जा सके।

ट्रेडिंग में अधिक मुनाफे का झांसा देकर 40 लाख की धोखाधड़ी, दंपत्ति गिरफ्तार

निवेश के नाम पर 25 लाख रुपये और सोने के आभूषण लेकर हुए थे फरार, पुलिस ने घेराबंदी कर दबोचा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

ट्रेडिंग कंपनी में निवेश कर अधिक लाभ दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये और सोने के आभूषण की धोखाधड़ी करने वाले दंपत्ति को जामुल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करते हुए न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्राथिर्या फातिमा अहमद उर्फ स्वाती ने थाना जामुल में शिकायत दर्ज कराई थी कि पवन हरिहर सिंह और उसकी पत्नी पिंकी सिंह ने स्वयं को फाइनेंशियल कंसलटेंट बताते हुए ट्रेडिंग कंपनी में निवेश कराने और अधिक लाभ दिलाने का भरोसा दिलाया। विश्वास में लेकर आरोपियों ने प्राथिर्या से लगभग 25 लाख रुपये प्राप्त किए।

इतना ही नहीं, आरोपियों ने प्राथिर्या की सहेली रजनी बारसकर से लगभग 15 लाख रुपये मूल्य के सोने के आभूषण भी हासिल कर लिए और उन्हें आईआईएफएल गोल्ड फाइनेंस, पावर हाउस चौक भिलाई में अपने नाम से गिरवी रखकर राशि प्राप्त कर ली।

धोखाधड़ी सामने आने के बाद दोनों आरोपी फरार हो गए थे। शिकायत के आधार पर थाना जामुल में अपराध क्रमांक 345/2026 दर्ज कर धारा 318(4), 3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरू की गई।

विवेचना के दौरान पुलिस ने मुखबिर सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने अपराध स्वीकार कर लिया। इसके बाद 19 जून 2026 को उन्हें विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

गिरफ्तार आरोपी में पवन हरिहर सिंह (49 वर्ष), निवासी नेहरू भवन के पास, अनाज लाइन, सुपेला, जिला दुर्ग पिंकी सिंह (42 वर्ष), निवासी नेहरू भवन के पास, अनाज लाइन, सुपेला, जिला दुर्ग शामिल हैं और पुलिस ने जप्त की सामग्री, धोखाधड़ी से संबंधित दस्तावेज एवं अभिलेख गिरवी रखे गए सोने के आभूषणों के दस्तावेज

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी निवेश, ट्रेडिंग या अधिक लाभ के प्रस्ताव पर भरोसा करने से पहले संबंधित संस्था और व्यक्तियों का सत्यापन अवश्य करें तथा किसी भी प्रकार की साइबर या वित्तीय धोखाधड़ी की जानकारी तत्काल पुलिस को दें।

चाकू की नोंक पर महिला से दुष्कर्म आरोपी गिरफ्तार, पुलिस की कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-अभनपुर

अभनपुर पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी भास्कर जना को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने पड़ोसी की पत्नी के साथ घर में घुसकर चाकू की नोक पर दुष्कर्म किया और वीडियो भी बनाया।

आरोपी भास्कर जना और पीड़िता का पति दोनों मूलरूप से उड़ीसा के रहने वाले हैं। वे ग्राम कोलर में एक ही मकान में अगल बगल के ब्लॉक में किराए से रहते हैं और कोलर स्थित आकृति बिस्किट फैक्ट्री में काम करते हैं। आरोपी अपने पड़ोसी की पत्नी पर बुरी नजर रखता था। 18 जून को आरोपी, उसकी पत्नी और पीड़िता का पति नियमित रूप से फैक्ट्री गए। दोपहर में मौका देखकर आरोपी फैक्ट्री से निकलकर घर आ गया। उसे पता था कि पीड़िता घर में अकेली है। घर में घुसकर उसने पीड़िता से कहा कि वह उससे प्यार करता है। कमरे का दरवाजा बंद कर चाकू दिखाकर डराया और लगभग दो घंटे तक दुष्कर्म किया। इस दौरान उसने पीड़िता का फोटो और वीडियो भी बना लिया। आरोपी ने धमकी दी कि यदि उसने यह बात अपने पति को बताई तो वह उसे और उसके पति को जान से मार देगा। पीड़िता ने किसी तरह बाहर निकलकर फोन पर पति को घटना की जानकारी दी।

पीड़िता की रिपोर्ट पर थाना अभनपुर में अपराध क्रमांक 199/26 धारा 64, 351(2), 333 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पीड़िता, उसके पति और मकान मालकिन से पूछताछ कर आरोपी भास्कर जना को गिरफ्तार कर लिया।

निधन

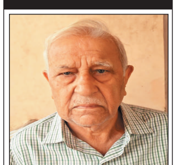

जेपी शर्मा

भिलाई। सड़क 36 विवेकानन्द कालोनी शांतिनगर भिलाई निवासी संजय शर्मा (भिलाई निगम) के पिता जेपी शर्मा (सेवानिवृत्त बीएसपी कर्मी) का आकस्मिक निधन शनिवार को हो गया है। रविवार 21 जून को 12 बजे उनकी अंतिम यात्रा उनके निज निवास सड़क 36 विवेकानन्द कालोनी शांतिनगर से रामनगर मुक्तिधाम के लिए निकलेगी जहां अंतिम संस्कार होगा।

भारतीय फिल्मों को कम शो मिलने पर भड़के अनुराग कश्यप

अनुराग कश्यप ने भारतीय फिल्मों को कम कम शो मिलने पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि भारतीय फिल्मों को सिनेमाघरों में बहुत कम शो मिल रहे हैं, जबकि हॉलीवुड फिल्म 'ऑब्सेशन' को ज्यादा तवज्जो दी जा रही है।

भारतीय फिल्मों को कम शो मिलने पर भड़के अनुराग

अनुराग कश्यप ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा कि वह समझते हैं कि लोग 'ऑब्सेशन' देखना चाहते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि भारतीय फिल्मों को कम शो दिए जाएं। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर हम अपनी ही फिल्मों को सही मौका नहीं देंगे, तो इंडस्ट्री आगे कैसे बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि उनकी फिल्म 'बंदर', वेदांग रैना और शरवरी की 'मैं वापस आऊंगा'', मनोज बाजपेयी की 'गवर्नर' और तेलुगु फिल्म 'सिंग गीथम' को बहुत कम शो मिल रहे हैं। कुछ जगहों पर तो इन फिल्मों का सिर्फ एक सुबह का शो है, जबकि 'ऑब्सेशन' को 6-7 शो दिए जा रहे हैं।

'बंदर' का किया है निर्देशन

'बंदर' का निर्देशन खुद अनुराग कश्यप ने किया है, जिसमें बॉबी देओल, सपना पब्बी, सान्या मल्होत्रा, सबा आजाद, राज बी शेट्टी, जितेंद्र जोशी, ऋद्धि सेन, इंद्रजीत सुकुमारन और नागेश भोंसले जैसे कलाकार नजर आते हैं।

'ऑब्सेशन' कर रही शानदार कलेक्शन

वहीं हॉलीवुड फिल्म 'ऑब्सेशन' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। यह फिल्म अब तक दुनियाभर में 224.7 मिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई कर चुकी है और अपने स्टूडियो की सबसे बड़ी हिट बन गई है। इस फिल्म में माइकल जॉनस्टन और इंडे नवारेटे लीड रोल में हैं। कहानी एक ऐसे शख्स की है, जो अपने क्रश का प्यार पाने की चाह में खतरनाक और डरावनी घटनाओं में फंस जाता है। इससे पहले राम गोपाल वर्मा ने भी 'ऑब्सेशन' की काफी तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि यह फिल्म देखकर उन्हें अपनी फिल्म 'कौन' की याद आ गई। उन्होंने यह भी कहा कि वह खुद इस फिल्म के 'ऑब्सेस्ड' हो गए हैं और इसने थिएटर में फिल्मों की सफलता को लेकर सोच बदल दी है।

जिंदगी तय शेड्यूल की तरह नहीं चलती, इसलिए खुद को दोष न दें

साल के बीच का समय अक्सर लोगों के लिए आत्मचिंतन का समय लेकर आता है। जनवरी में बनाए गए नए साल के रेजोल्यूशन जब जून-जुलाई तक पूरे नहीं हो पाते, तो कई लोग खुद को असफल मानने लगते हैं। ऐसे में अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर लोगों को समझाया कि जीवन किसी तय शेड्यूल या चेकलिस्ट की तरह नहीं चलता, ऐसे में किसी भी तरह का अफसोस मनाना सही नहीं है। वीडियो में ईशा कोप्पिकर कहती हैं, ''नए साल की शुरुआत में लोग बड़े सपने और बड़े लक्ष्य बनाते हैं, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, कई चीजें बदल जाती हैं। कभी जिम जाना छूट जाता है, कभी काम की व्यस्तता बढ़ जाती है, तो कभी निजी जीवन में ऐसे बदलाव आ जाते हैं जिनका असर हमारे पूरे साल के प्लान पर पड़ता है। ऐसे में खुद को दोषी मानना सही नहीं है।''

ईशा ने कहा, ''कई लोग सोचते हैं कि उन्होंने आधा साल बर्बाद कर दिया है, क्योंकि वे अपने तय किए गए लक्ष्य पूरे नहीं कर पाए, लेकिन असली तरक्की हमेशा दिखाई नहीं देती। यह जरूरी नहीं कि सफलता केवल बड़े नतीजों से मापी जाए, बल्कि कई बार हम इस दौरान मानसिक रूप से मजबूत बनते हैं, समझदार होते हैं और खुद को बेहतर तरीके से समझने लगते हैं। यह भी एक तरह की ग्रोथ है, जिसे लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं।''

ईशा ने अपने वीडियो में कहा, ''कई बार लोग केवल इसलिए आगे बढ़ रहे होते हैं क्योंकि उन्होंने कठिन परिस्थितियों को झेला होता है। अगर इस दौरान किसी ने खुद को संभाल लिया है, अपने जीवन में छोटे-छोटे सही फैसले लिए हैं या पहली बार खुद को प्राथमिकता दी है, तो यह भी एक बड़ी उपलब्धि है। लोगों को अपने अंदर इस बदलाव को पहचानना चाहिए और उसे कम नहीं आंकना चाहिए।''

उन्होंने कहा, ''हमें अपने ऊपर बेवजह दबाव नहीं डालना चाहिए। जीवन में कोई तय शेड्यूल नहीं होता, और न ही जीवन कभी सीधा चलता है। हमें कभी रुकना पड़ता है, कभी रास्ता बदलना पड़ता है और कभी गिरकर फिर से उठना पड़ता है। यही जीवन का असली अनुभव है और यही हमें मजबूत बनाता है।''

उन्होंने लोगों से अपील की कि वे पछतावे को छोड़ दें। उन्होंने कहा, ''अगर इस साल की शुरुआत में आपने कोई सपना देखा था, तो वह सपना अभी भी आपका है और खत्म नहीं हुआ है। केवल कुछ समय के लिए आपकी रफ्तार धीमी हुई है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप पीछे रह गए हैं। आधा साल अभी भी बाकी है और यह समय भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना साल की शुरुआत होती है।''

कृति सेनन ने बताया अपनी फिल्म 'कॉकटेल 2' के खास लुक का राज

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन ने अपनी रोमांटिक-ड्रामा फिल्म 'कॉकटेल 2' में अपने किरदार 'एली' के लुक को लेकर सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया है। कृति ने बताया कि उन्हें 'एली' जैसा बोल्ड और खूबसूरत लुक देने के पीछे उनकी पूरी क्रिएटिव टीम की कड़ी मेहनत है। कृति ने फैशन स्टाइलिस्ट अनाइता श्रॉफ अडाजानिया को श्रेय देते हुए कहा कि एली के कपड़े सिर्फ फैशन नहीं हैं, बल्कि वे उसके बेबाक और बिंदास स्वभाव को दिखाते हैं। एसोसिएट कॉस्ट्यूम स्टाइलिस्ट सुकृति ग्रोवर को लेकर कृति ने एली के लुक्स को जमीन पर उतारने के लिए उनकी मेहनत की सराहना की। हेयर और मेकअप आर्टिस्ट आसिफा अहमद और एड्रियन जैकब्स ने कृति का बीच लुक तैयार किया है। कृति ने निर्देशक होमी अदजानिया को इस लुक का मास्टरमाइंड कहा, जिन्होंने एली के किरदार को इतना कूल और आसान बनाया। इस तस्वीरों के साथ कृति ने लिखा, 'एली ने मुझे सिखाया कि हॉट और खूबसूरत होना अलग-अलग बातें नहीं हैं, बल्कि ये दोनों एक साथ चलती हैं।' उन्होंने अपने किरदार को आजाद, बेफिक्र और बेहद खूबसूरत बताया।

सलमान कैसे मैनेज करेंगे 'बिग बॉस' 20 की शूटिंग, इन फिल्मों पर भी साथ करेंगे काम

सलमान खान फिलहाल 2 फिल्मों के लिए सुर्खियों में हैं। इस बीच उनके शो बिग बॉस सीजन 20 भी चर्चाओं में आ गया है। अब मेकर्स अगले चैप्टर की तैयारी में जुट गए हैं। इस बार 20वें सीजन को और भी बड़ा और ज्यादा ड्रामेटिक बनाने का प्लान है।

सलमान खान फिल्मों और टीवी के बीच बना रहे बैलेंस वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, बिग बॉस का नया सीजन 21 सितंबर से शुरू होने वाला है। शो के सेट पर लौटने से पहले सलमान खान अपनी अपकमिंग एक्शन-थ्रिलर फिल्म का बड़ा हिस्सा पूरा करना चाहते हैं। इस फिल्म का अभी तक नाम तय नहीं है और इसे वामसी पेडिपल्ली डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म में नयनतारा लीड रोल में नजर आएंगी। बिग बॉस के पिछले सीजन में सलमान खान अपने और भी प्रोजेक्ट्स में व्यस्त थे। इस वजह से वे पूरा समय शो को नहीं दे पाए थे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि सलमान की टीम उनके शेड्यूल को बहुत ध्यान से मैनेज कर रही है, ताकि फिल्म की शूटिंग बिना किसी देरी के पूरी हो सके और उन्हें रियलिटी शो होस्ट करने के लिए भी पर्याप्त समय मिल सके। इसके अलावा सलमान खान 'मातृभूमि' फिल्म में नजर आएंगे। इसे अपूर्वा लखिया डायरेक्ट कर रहे हैं और इसमें सलमान के साथ चित्रांगदा सिंह दिखाई देंगी। पहले यह फिल्म गलवान घाटी विवाद पर आधारित थी, लेकिन अब इसमें कुछ बदलाव करके चीन से जुड़े संदर्भों को हटा दिया गया है।

कंटेस्टेंट्स का नया मिक्स लाने की तैयारी

इन सबके बीच बिग बॉस 20 की तैयारियां अब तेजी से शुरू हो चुकी हैं। जल्द ही ऑडिशन और शॉर्टलिस्टिंग प्रोसेस शुरू होगा और कास्टिंग टीम कई टीवी सितारों से संपर्क भी कर रही है। इस बार मेकर्स सिर्फ टीवी सेलेब्स तक सीमित नहीं रहना चाहते। युवा ऑडियंस को आकर्षित करने के लिए टीम अब पॉपुलर रियलिटी शोज और डिजिटल ओटीटी प्रोजेक्ट्स से भी कंटेस्टेंट्स को शामिल करने का प्लान बना रही है। इसके अलावा यह भी चर्चा है कि पिछले सीजन के कुछ फेमस चेहरे भी शो में वापसी कर सकते हैं।

रश्मि देसाई ने अपने पुराने दिनों को किया याद

अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए टीवी एक्ट्रेस रश्मि देसाई ने कहा कि 'छोटी रश्मि' को कभी नहीं पता था कि किस्मत उन्हें कहां ले जाएगी लेकिन उन्होंने हमेशा अपनी चमक बनाए रखी। रश्मि ने वर्ष 2006 में 'रावण' से हिंदी टेलीविजन में डेब्यू किया था। उन्होंने अपने बचपन की कुछ पुरानी तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह स्टाइलिश अंदाज में तैयार नजर आ रही हैं। इस सफर में मिले हर सबक, संघर्ष और आशीर्वाद के लिए आभार जताते हुए 2000 के दशक के शो 'उतरन' में तपस्या का किरदार निभाकर मशहूर हुई इस एक्ट्रेस ने उन अनुभवों का जश्न मनाया जिन्होंने उन्हें आज का इंसान बनाया है। रश्मि देसाई ने इंस्टाग्राम कैप्शन में लिखा, 'छोटी रश्मि को नहीं पता था कि जिंदगी उसे कहां ले जाएगी, लेकिन फिर भी वह अपने अंदर की चमक बनाए हुए थी। इस सफर में मिले हर सबक, हर संघर्ष और हर आशीर्वाद के लिए आभारी हूं।' बता दें कि रश्मि देसाई रियलिटी शो 'बिग बॉस 13' में अपने काम से लोगों का ध्यान खींचने में कामयाब रही थीं। 40 वर्षीय रश्मि आखिरी बार 'वागले की दुनिया, नई पीढ़ी नए किस्से' में दिखी थीं। यह शो कार्टूनिस्ट आर. के. लक्ष्मण के किरदारों, खासकर 'द कॉमन मैन' पर आधारित है और इसमें एक आम मिडिल-क्लास भारतीय आदमी की रोजमर्रा की समस्याओं को दिखाया गया है। इससे पहले मई में, 'मिसेज मारा ऑनलाइन चे' के साथ थिएटर की दुनिया में नाम कमाने वाली रश्मि ने कहा था कि थिएटर कलाकारों को समय पर उनका हक नहीं मिलता और उन्हें 'किसी और की मंजूरी' की जरूरत नहीं होती। उन्होंने कहा था कि थिएटर सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम है।

अब हर उम्र के एक्टर के लिए रोल लिखे जा रहे हैं

करिश्मा कपूर इस वक्त अपनी हालिया रिलीज सीरीज 'ब्राउन' को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें उनकी परफॉर्मेंस की तारीफ हो रही है। करिश्मा ने ओटीटी पर काम करने के एक्सपीरियंस, रोल और एक्टर्स के लिए बढ़े मौकों पर बात की। 'अंदाज अपना अपना', 'साजन चले ससुराल' और 'जुड़वां' जैसी फिल्मों से 90 के दशक में फैंस का मनोरंजन करने वालीं करिश्मा कपूर ने भले ही बड़े पर्दे से दूरी बना ली हो, लेकिन आज भी दर्शकों के बीच चर्चा में रहती हैं। पहले शादी और बच्चों के बाद हीरोइन ब्रेक पर चली जाया करती थीं। लेकिन अब वो करियर को कंटिन्यू करती हैं।

जबसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स आए हैं, तबसे एक्टर्स को, चाहे वो किसी भी उम्र के हो, हर तरह के रोल मिल जा रहे हैं। आप तीस के दशक में हों या 40 के दशक में या फिर 60 के दशक में, एक्टर्स को काफी स्ट्रॉन्ग रोल्स मिल रहे हैं, जो अच्छी चीज है।

क्या पहले के मुकाबले, आज के दौर में हीरोइनों के लिए ज्यादा मौके हैं?

मुझे लगता है कि हर दशक में, हर दौर में ऐसे मौके मिलते हैं। चाहे हम 'मदर इंडिया' के टाइम से देखें और उसके बाद भी लिस्ट बहुत लंबी है। अगर मैं अपनी बात करूं तो मुझे अवसर मिले और मैं शुक्रगुजार हूं कि मुझे कुछ ऐसी फिल्में मिलीं, जिनके बारे में आज भी बात होती हैं। फिर चाहे वह 'बीवी नंबर 1' हो, 'शक्ति', 'फिज़ा', 'जुबैदा', 'राजा हिंदुस्तानी' या फिर 'दिल तो पागल है'। तो इन सारी फिल्मों में हीरोइन का किरदार बहुत ही बढ़िया था और वह स्ट्रॉन्ग वुमन भी थीं। वह अपने स्तर पर अपनी स्ट्रेंथ दिखा रही थीं। लेकिन अब ओटीटी के आने से मौके और भी बढ़ गए हैं। अब हर उम्र के एक्टर्स के लिए रोल्स हैं, जो वाकई कमाल है। तो उस नजरिए से देखें तो यह आर्टिस्ट्स के लिए बहुत ही अच्छा दौर है।

इसी वजह से अब हर उम्र में सोलो लीड वाली फिल्में भी मिल पा रही हैं

मुझे लगता है कि इन दिनों सभी आर्टिस्ट्स किस्मत वाले हैं, चाहे एक्टर हो या एक्ट्रेस। चाहे वह बच्चा हो या फिर दादी हो, उनका भी सोलो लीड हो सकता है। यह बहुत ही क्रिएटिव टाइम है एक्टर्स के लिए और दर्शकों के लिए भी, क्योंकि उन्हें भी अलग तरह का सिनेमा देखने का मौका मिल रहा है।

अपनी नई वेब सीरीज 'ब्राउन' के बारे में कुछ बताएं।

'ब्राउन' एक साइकलॉजिकल थ्रिलर है, लेकिन साथ में एक ह्यूमन स्टोरी भी है। यह कहानी रीटा ब्राउन और बाकी कैरेक्टर्स की है, जो बिल्कुल भी वन डाइमेंशनल स्टोरी नहीं है। यह दिखाती है कि रीटा ब्राउन क्या है, वह किन परिस्थितियों से गुजर रही हैं। और इन सबके बीच जब वह मर्डर केस सॉल्व कर रही हैं, तब वह कैसे साथ-साथ खुद में भी बदलाव कर रही है। दूसरा, इस सीरीज़ ने मुझे बहुत चैलेंज किया। इसमें इतना कुछ अलग था। इसलिए मैंने यह प्रोजेक्ट किया।

आपको फिल्मी दुनिया में इतना अनुभव है। अब आप ओटीटी प्रोजेक्ट्स में भी काम कर रही हैं। तो आपको क्या फर्क महसूस हुआ दोनों प्लेटफॉर्म्स पर काम करने में?

पहले के समय में हम ज्यादा पैशन के साथ काम करते थे। स्टोरी तब भी होती थी, लेकिन तब बाउंड स्क्रिप्ट्स नहीं होती थी। मतलब ऐसा कभी नहीं हुआ कि कल मेरा यह सीन है तो उसके मुताबिक हम वर्कशॉप कर रहे हैं। ऐसा कुछ भी नहीं होता था। हम तो सेट पर जाते थे, डायलॉग याद करते थे और काम करते थे। तो वह बहुत ही अलग समय था, अलग दौर। और अब तो सब कुछ तय होता है, हमें अच्छी स्क्रिप्ट मिलती है, हम पढ़ सकते हैं, बहुत सारी वर्कशॉप्स होती हैं और सारे एक्टर्स के साथ हम मिलकर बातचीत कर पाते हैं। तो यह बहुत अलग है और मजेदार अनुभव भी। जहां तक प्लेटफॉर्म्स की बात है तो मुझे दोनों के बीच में तुलना नहीं करनी है क्योंकि तब जिस तरह की फिल्में बनती थीं, वह कुछ अलग ही समय था और अब माहौल अलग है, तो हमें समय के साथ आगे बढ़ना है।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के लिए ग्रामीणों ने दिखाई उत्साहपूर्ण भागीदारी–कलेक्टर

योजना के संबंध में लाभान्वित हितग्राहियों ने की अपनी प्रतिक्रिया, सूर्यघर सभा में ग्रामीणों से किया अधिक से अधिक पंजीयन कराने का आह्वान

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम बरगा में आयोजित सूर्यसभा में शामिल हुए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह उपस्थित रही। ग्राम बरगा में 224 से अधिक परिवार रहते हैं। कलेक्टर ने ग्रामीणों को प्रधानमंत्री सूर्यघरमुफ्त बिजली योजना की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक पंजीयन कराने और गांव को शत–प्रतिशत सोलर गांव बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ग्राम बरगा ने मिशन जल रक्षा, स्वच्छता अभियान, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करते हुए जिले में एक विशिष्ट पहचान बनाई है।

कलेक्टर ने कहा कि भारत सरकार की प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना महत्वाकांक्षी पहल है। जिसका उद्देश्य देश के हर घर तक मुफ्त बिजली पहुंचाना है। इस योजना के तहत उपभोक्ताओं के घरों में रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित करना है तथा बिजली बिल मुफ्त अथवा बहुत कम करना है। इस योजना के तहत रूफटॉप सोलर पैलन लगाने के लिए भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा सब्सिडी प्रदान की जा रही है। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना पूरी तरह लाभकारी योजना है। जिले में अब तक लगभग 3 हजार 500 हितग्राहियों के यहां सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं, जिनमें अधिकांश लोगों के बिजली बिल शून्य या 80 प्रतिशत तक कम हो गए हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना भविष्य के लिए अत्यंत लाभदायक है।

सूर्यघर सभा के दौरान योजना का लाभ प्राप्त कर चुके हितग्राहियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना उनके लिए अत्यंत लाभकारी साबित हुई है। हितग्राही श्रीमती सरिता सोनवानी ने बताया कि सोलर संयंत्र लगवाने से पहले उनके घर का बिजली बिल प्रतिमाह 1200 रूपए से 1500 रूपए तक आता था, जबकि सोलर संयंत्र स्थापित होने के बाद बिजली बिल शून्य हो गया है। उन्होंने बताया कि अपने घर में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से जनवरी 2026 में 3 किलोवाट क्षमता का सोलर संयंत्र स्थापित किया है। श्रीमती सरिता ने बताया कि खपत से ज्यादा उत्पादित अतिरिक्त बिजली विद्युत विभाग को भेजी जा रही है, जिसके बदले राशि उनके खाते में समायोजित हो रही है। इसी प्रकार ग्राम बरगा के सरपंच श्री विनोद कुमार कंवर ने भी सोलर संयंत्र स्थापित कराया है। सोलर संयंत्र लगने से पूर्व उनका बिजली बिल 2000–2500 रूपए तक आता था, जबकि संयंत्र स्थापित होने के बाद मई माह में उनका बिजली बिल 117 रूपए ऋणात्मक दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि पहले केवल विद्युत उपभोक्ता थे, लेकिन अब वे अतिरिक्त बिजली उत्पादन कर विद्युत विभाग को उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे उन्हें आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो रहा है।

सूर्यघर सभा में अधिकारियों ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि योजना के अंतर्गत एक किलोवाट क्षमता के सोलर संयंत्र पर केंद्र सरकार द्वारा 30 हजार रुपए तथा राज्य सरकार द्वारा 15 हजार रुपए, कुल 45 हजार रुपए की सब्सिडी प्रदान की जाती है। दो किलोवाट क्षमता पर केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से कुल 90 हजार रुपए तथा तीन किलोवाट क्षमता पर केंद्र सरकार से 78 हजार रुपए एवं राज्य सरकार से 30 हजार रुपये, कुल 1 लाख 8 हजार रुपये की सब्सिडी उपलब्ध कराई जाती है। ग्रामीणों को बताया कि सोलर संयंत्र की लगभग तीन से चार वर्षों में इसकी लागत की भरपाई हो जाती है। इसके बाद उपभोक्ता को लंबे समय तक निःशुल्क बिजली का लाभ मिलता है। उन्होंने कहा कि सोलर संयंत्र से उत्पादित अतिरिक्त बिजली को विद्युत विभाग को बेचकर अतिरिक्त आय भी अर्जित की जा सकती है।

खास खबर

कल अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा होंगे मुख्य अतिथि

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर कबीरधाम जिले में 21 जून को सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 स्वस्थ आयु के लिए योग के थीम पर किया जाएगा। योग दिवस आयोजन में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि होंगे। यह आयोजन जिला प्रशासन कबीरधाम के तत्वावधान में पीजी कॉलेज डोम कवर्धा में प्रातः 7 बजे से आयोजित होगा। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 का आयोजन स्वस्थ आयु के लिए योग के थीम पर किया जाएगा। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को आयोजन संबंधी सारी तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही जिलेवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस सामूहिक योग सत्र में भाग लेकर स्वस्थ राष्ट्र निर्माण की इस पहल में सहभागी बनें और योग को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं। उल्लेखनीय है कि 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को प्रातः 7 बजे से व्यक्तिगत अथवा संस्था द्वारा पंजीयन कर कार्यक्रम के सफल संचालन उपरांत फोटोध्वीडियो योग संगम पोर्टल https://yoga.ayush.gov.in/yoga-sangam पर अपलोड किए जा सकेंगे। तत्पश्चात वेब के माध्यम से ऑनलाइन प्रमाण–पत्र जारी किया जाएगा।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता मानक अनुरूप, शौचालयों की स्थिति भी संतोषजनक

कवर्धा। नगर पंचायत पांडातराई के सीएमओ अभिषेक सिंह ने बताया कि नगर पंचायत क्षेत्रांतर्गत संचालित निर्माण कार्यों की गुणवत्ता के संबंध में प्राप्त जानकारी एवं जनहित को ध्यान में रखते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक जांच एवं निरीक्षण के निर्देश दिए गए थे।

सीएमओं ने बताया कि निकाय के उप अभियंता द्वारा मंगलवार को विभिन्न निर्माण कार्यों का स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण उपरांत उप अभियंता ने जानकारी दी कि वतर्मान में संचालित सभी निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों एवं स्वीकृत गुणवत्ता के अनुरूप किए जा रहे हैं तथा कार्यों की गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी नहीं पाई गई है। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार शौचालय संबंधी जानकारी के परीक्षण के लिए स्वच्छता प्रभारी को भी निर्देशित किया गया था। स्वच्छता प्रभारी द्वारा निरीक्षण एवं परीक्षण के पश्चात अवगत कराया गया कि नगर पंचायत पण्डातराई के अधीन संचालित समस्त शौचालयों का नियमित रखरखाव किया जा रहा है तथा वे वतर्मान में अच्छी एवं उपयोग योग्य स्थिति में हैं।

कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त शिकायत पर त्वरित कार्रवाई, – शिवनाथ नदी महिला घाट की शासकीय भूमि से हटाया गया अतिक्रमण

राजनांदगांव। कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाईकी जा रही है। इसी कड़ी में शिवनाथ वार्ड राजनांदगांव के नागरिकों द्वारा प्रस्तुत शिकायत पर कार्रवाईकरते हुए शिवनाथ नदी स्थित महिला घाट के समीप शासकीय भूमि से अवैध अतिक्रमण हटा दिया गया। शिवनाथ वार्ड के नागरिकों ने कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन प्रस्तुत कर अवगत कराया था कि शिवनाथ नदी के महिला घाट के पास स्थित शासकीय भूमि पर कुछ व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर निर्माण का प्रयास किया जा रहा है। नागरिकों ने सार्वजनिक उपयोग की इस भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने की मांग की थी।

कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित राजस्व एवं नगर निगम अधिकारियों को तत्काल मौके पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निर्देशानुसार अधिकारियों ने स्थल का निरीक्षण किया, जिसमें शिकायत सही पाई गई। जिला प्रशासन द्वारा नियमानुसार कार्रवाई करते हुए शासकीय भूमि पर किए जा रहे अतिक्रमण को हटाया गया तथा भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराया गया। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार प्यारेलाल नाग मौके पर उपस्थित रहे और राजस्व अमले की निगरानी में अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया पूर्ण की गई। इस कार्रवाई से महिला घाट की सार्वजनिक उपयोगिता सुरक्षित हुई है तथा स्थानीय नागरिकों और महिलाओं के आवागमन एवं उपयोग में आने वाली भूमि को संरक्षित किया गया है। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कलेक्टर जनदर्शन के माध्यम से समस्या के समाधान पर आभार व्यक्त किया।

बिजली बिल बढ़ोतरी : कांग्रेस का हल्लाबोल, महंगाई से आम आदमी बेहाल–पूर्वमंत्री चौबे

सरकार से बढ़ी हुई बिजली दरों को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग की

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

बेमेतरा के बेरला रोड स्थित राजीव भवन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व कृषि मंत्री रविंद्र चौबे ने एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई। इस दौरान उनके साथ पूर्व संसदीय सचिव गुरु दयाल सिंह बंजारे और जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रेस कॉन्फ्रेंस का मुख्य मुद्दा प्रदेश में बिजली की दरों में की गई बेतहाशा बढ़ोतरी और आम जनता पर बढ़ते आर्थिक बोझ को लेकर था।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए पूर्व कृषि मंत्री रविंद्र चौबे ने सरकार पर कड़ा प्रहार किया उन्होंने कहा बिजली दरों में की गई। इस वृद्धि से आम उपभोक्ताओं के साथ–साथ प्रदेश के अन्नदाता (किसानों) पर भी अतिरिक्त और भारी आर्थिक बोझ पड़ेगा। कांग्रेस पार्टी इस जनविरोधी फैसले का कड़ा विरोध करती है। उन्होंने सरकार से बढ़ी हुई बिजली दरों को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि दरें वापस नहीं ली गईं,तो कांग्रेस इस आंदोलन को पूरे प्रदेश में व्यापक रूप से संचालित करेगी और सड़कों पर उतरेगी। अभी इन दिनों किसानों को सबसे ज्यादा परेशानी लो वोल्टेज की सबसे बड़ी दिक्कत वही समय पर ट्रांसफार्मर भी किसानों को नहीं मिल पा रहा है सामने अभी धान का बुवाई करना है रोपाई का समय है लेकिन किसानों को प्राप्त मात्रा में बिजली नहीं मिल पा रहा है जिससे किसान बहुत परेशान है।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग (उरएफ्छ) द्वारा वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए मंजूर की गई नई दरें 1 जुलाई 2026 से पूरे प्रदेश में लागू हो जाएंगी। दरें कुछ इस प्रकार बढ़ाई गई हैं जो घरेलू उपभोक्ताः 30 से 50 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी व्यावसायिक कामर्शियल उपभोक्ताः 20 से 40 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी। कृषि पंप उपभोक्ताः 40 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि। राहत की बात (सीमित) बिजली कंपनी ने शुरुआत में 24 प्रतिशत बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा था, जिसे आयोग ने पूरी तरह स्वीकार नहीं किया आयोग ने औसतन 6.23 प्रतिशत की दर वृद्धि को ही मंजूरी दी है। इसके बावजूद आम जनता की जेब पर इसका सीधा असर पड़ना तय है।

प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से पूर्व मंत्री चौबे ने बताया कि तीसरा चरण डोर टू डोर जाकर बिजली बढ़ोतरी के संबंध में आम जनता से चर्चा किया जाएगा और उनको बताया जाएगा। इस अवसर पर मंगत साहू, प्रणीश चौबे, प्रांजल तिवारी, मिथलेश वर्मा, रश्मि मिश्रा, रोशन सिन्हा, देवेंद्र साहू, रीता पांडे, झम्मन बघेल, सनत धर दिवान, विजय बघेल, रवि रजक, ललित विश्वकर्मा, मनोज शर्मा, जावेद खान, शक्ति धर दिवान, आरिफ भाटिया, मोहित वर्मा, लीलाराम निषाद, योगिता साहू, हेमिन यादव, सहोदरा नवरंगे, सीताराम यदु, विकाश चौबे सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वृहद पंजीकरण शिविरों का समापन

मोहला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के, अभियान के तहत जिले के विकासखंड मुख्यालयों में 18 से 20 जून 2026 तक तीन दिवसीय वृहद पंजीकरण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान के प्रथम दिवस लोगों ने विभिन्न योजनाओं में पंजीयन, त्रुटि सुधार एवं समस्याओं के निराकरण का लाभ प्राप्त किया। शिविरों में आयुष्मान भारत, पीएम आवास, पीएम स्वनिधि, पीएम सूर्यघर, पेंशन योजनाओं सहित केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

संयुक्त जिला कार्यालय परिसर के 100 मीटर दायरे में धारा 163 लागू, दो माह तक जुलूस–धरना पर प्रतिबंध

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिला प्रशासन ने संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में शांति, कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा बनाए रखने के उद्देश्य से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश को आगामी दो माह के लिए पुनः लागू कर दिया है। यह आदेश 16 जून 2026 से 17 अगस्त 2026 तक प्रभावशील रहेगा।

जिला दंडाधिकारी प्रतिष्ठा ममगाई द्वारा जारी आदेश के अनुसार संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में खाद्य, आदिवासी विकास, कृषि, आबकारी, खनिज सहित विभिन्न शासकीय विभाग संचालित हैं, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में दिव्यांगजन, वृद्धजन, महिलाएं एवं आम नागरिक अपने कार्यों के लिए पहुंचते हैं। परिसर में धरना, प्रदर्शन, जुलूस एवं आम सभाओं के आयोजन से आमजन को असुविधा होने तथा शासकीय कार्य प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

आदेश के तहत संयुक्त जिला कार्यालय परिसर के 100 मीटर की परिधि को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया गया है। इस क्षेत्र में जुलूस, धरना, आमसभा और प्रदर्शन आयोजित नहीं किए जा सकेंगे। साथ ही किसी भी सभा, रैली या जुलूस के आयोजन से पूर्व प्रशासन से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। लाउडस्पीकर अथवा ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग के लिए भी संबंधित अनुविभागीय दंडाधिकारी या कार्यपालिक दंडाधिकारी से पूर्व अनुमति लेना आवश्यक होगा।

इसके अलावा ड्यूटी पर तैनात पुलिस एवं सुरक्षा कर्मियों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को विस्फोटक पदार्थ, अस्त्र–शस्त्र या अन्य घातक हथियार लेकर चलने की अनुमति नहीं होगी। धार्मिक परंपरा के तहत रखे जाने वाले कृपाण को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है। प्रशासन ने यह भी निर्देश दिया है कि कार्यालय परिसर के 100 मीटर के भीतर एक साथ पांच से अधिक व्यक्ति प्रवेश नहीं करेंगे। आदेश सभी राजनीतिक दलों, संगठनों, संघों एवं आम नागरिकों पर समान रूप से लागू होगा।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का कहना है कि यह कदम शासकीय कार्यों के सुचारु संचालन तथा क्षेत्र में लोक शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष किरणमयी नायक ने की प्रकरणों की सुनवाई

सुनवाई में पीड़ित महिलाओं को मिली राहत, कई मामलों में दिए गए महत्वपूर्ण निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक एवं प्रभारी सदस्य श्रीमती सरला कोसरिया ने आज जिला पंचायत सभा कक्ष, बेमेतरा में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों की जनसुनवाई की। डॉ. नायक की अध्यक्षता में आयोजित यह प्रदेश स्तर की 400वीं तथा बेमेतरा जिले की 5वीं सुनवाई थी, जिसमें बेमेतरा एवं कबीरधाम (कवर्धा) जिले के कुल 19 प्रकरणों पर एक साथ विचार किया गया।

सुनवाई के दौरान एक महत्वपूर्ण प्रकरण में मृत शिक्षाकर्मी की पत्नी द्वारा रोजगार सहायता की मांग की गई। आवेदिका ने बताया कि उनके पति का निधन वर्ष 2015 में हो गया था तथा वतर्मान में वह दो बच्चों का पालन–पोषण कर रही हैं। आयोग ने मामले को मानवीय दृष्टिकोण से गंभीरता से लेते हुए आवेदिका को किसी उपयुक्त विभाग में रोजगार उपलब्ध कराने की अनुशंसा की। जिला पंचायत की उप संचालक सुश्री भूमिका देशाई ने कलेक्टर से चर्चा कर रोजगार उपलब्ध कराने में सहयोग का आश्वासन दिया। इसके बाद प्रकरण का निराकरण कर नस्तीबद्ध किया गया।

एक अन्य मामले में महिला स्व–सहायता समूह के नाम पर लिए गए 12 लाख रुपये के बैंक ऋण की अदायगी नहीं होने का मामला सामने आया। सुनवाई में अनावेदक ने ऋण चुकाने की बात स्वीकार की, किंतु अब तक राशि जमा नहीं की गई है। आयोग को बताया गया कि मामले में एफआईआर दर्ज हो चुकी है तथा अनावेदक अग्रिम जमानत पर है। आयोग ने आवेदिका को विधिक सहायता प्राप्त कर न्यायालय में प्रभावी पैरवी करने की सलाह दी।

इसी प्रकार प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़े एक प्रकरण में आवेदिका ने आरोप लगाया कि मकान निर्माण के लिए प्राप्त राशि का दुरुपयोग किया गया है। आयोग ने आवेदिका को कलेक्टर कबीरधाम को लिखित शिकायत प्रस्तुत करने तथा संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की सलाह दी। आयोग ने स्पष्ट किया कि योजना की राशि के दुरुपयोग के लिए जिम्मेदार लोगों से राशि की वसूली कराई जा सकती है। साथ ही आवेदिका को थाना लोहारा में शिकायत दर्ज कराने एवं आवश्यकतानुसार दीवानी न्यायालय की शरण लेने का अधिकार बताया गया।

सुनवाई के दौरान आयोग ने सभी पक्षों को सुनते हुए महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और उन्हें न्याय दिलाने के उद्देश्य से आवश्यक निर्देश जारी किए। राज्य महिला आयोग की इस पहल से पीड़ित महिलाओं को राहत मिलने के साथ ही उनके मामलों के त्वरित निराकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए।

किसानों को प्राकृतिक और जैविक खेती अपनाने का किया आह्वान व दिलाई गई शपथ

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती के प्रति जागरूक करने तथा टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज 15 जून 2026 को बेमेतरा जिले के टाउन हॉल में प्राकृतिक एवं जैविक खेती कार्यशाला का गरिमामयी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले भर के बड़ी संख्या में कृषकों, कृषि वैज्ञानिकों, कृषि विभाग के अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय श्रीवास्तव, अध्यक्ष नागरिक आपूर्ति निगम, छत्तीसगढ़ शासन रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में दीपेश साहू, विधायक बेमेतरा, प्रहलाद रजक, अध्यक्ष रजककार बोर्ड छत्तीसगढ़ शासन, श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी, अध्यक्ष जिला पंचायत बेमेतरा तथा विजय सिन्हा, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बेमेतरा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अजय साहू, जिला अध्यक्ष भाजपा ने की, जबकि कार्यक्रम का समन्वयन युवराज ठाकुर, जिला अध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. चौलेश्वर चंद्राकर, संभाग प्रभारी भाजपा किसान मोर्चा तथा श्री राकेश तिवारी, महामंत्री भाजपा किसान मोर्चा उपस्थित रहे।

कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन एवं भगवान बलराम की पूजा–अर्चना : कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों द्वारा बेमेतरा जिले के विभिन्न कृषि एवं कृषि संबद्ध विभागों द्वारा लगाई गई प्रदशर्नी इकाइयों के अवलोकन से हुआ। इसके पश्चात कृषि एवं किसान संस्कृति के प्रतीक दाऊ भगवान बलराम की पूजा–अचर्ना कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने किसानों से प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने का आह्वान किया।

जैविक खाद निर्माण की वैज्ञानिक तकनीकों की दी जानकारी : कृषि विज्ञान केंद्र बेमेतरा के कृषि वैज्ञानिक डॉ. चंद्रशेखर खरे ने जैविक खाद निर्माण एवं उसके वैज्ञानिक प्रबंधन पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाकर मिट्टी को अधिक उर्वर बनाया जा सकता है तथा ह्यूमस बढ़ाकर मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों की मात्रा में वृद्धि की जा सकती है। उन्होंने किसानों को वर्मी कम्पोस्ट, वर्मीवॉश, प्रक्षेत्र गोबर खाद, नाडेप खाद तथा हरी खाद जैसे ढैंचा, सनई एवं मूंग के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि जैविक खाद पौधों एवं पशुओं के प्राकृतिक अवशेषों जैसे गोबर, पत्तियां तथा फसल अवशेषों को सड़ाने–गलाने से तैयार की जाती है, जो मिट्टी की उर्वरता एवं जल धारण क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

जैविक खाद के प्रमुख प्रकार : डॉ. खरे ने बताया कि कम्पोस्ट खाद खेत के कचरे, पत्तियों एवं रसोई के जैविक अवशेषों को गड्ढों में एकत्रित कर नमी की उपस्थिति में सड़ाने से तैयार की जाती है। वर्मीकम्पोस्ट केंचुओं द्वारा जैविक कचरे को विघटित कर बनाई जाने वाली अत्यंत गुणवत्तायुक्त खाद है। हरी खाद के लिए सनई एवं ढैंचा जैसी फसलों को फूल आने की अवस्था में खेत में जोतकर मिट्टी में मिला दिया जाता है। गोबर खाद पशुओं के गोबर, मूत्र एवं बिछावन सामग्री को गड्ढों में सड़ाकर तैयार की जाने वाली पारंपरिक एवं प्रभावी जैविक खाद है।

उन्होंने बताया कि जैविक खादों के प्रयोग से पौधों को नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश सहित आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व संतुलित मात्रा में धीरे–धीरे प्राप्त होते हैं। इससे मिट्टी की संरचना में सुधार होता है, मिट्टी भुरभुरी बनती है, जड़ों तक वायु संचार बेहतर होता है तथा जल धारण क्षमता बढ़ती है। साथ ही रासायनिक उर्वरकों पर होने वाला खर्च कम होता है और खेती दीघर्कालिक रूप से लाभकारी बनती है।

किसानों को दिलाई जैविक खेती अपनाने की शपथ : कार्यशाला के दौरान डॉ. चंद्रशेखर खरे ने उपस्थित किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने की शपथ दिलाई तथा पर्यावरण संरक्षण एवं स्वस्थ कृषि व्यवस्था के लिए जैविक खेती को आवश्यक बताया।

प्रगतिशील किसानों ने साझा किए अनुभव : कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के तकनीकी मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक प्राकृतिक एवं जैविक खेती कर रहे प्रगतिशील कृषकों रोहित पटेल (ग्राम कंदई) एवं मोहित साहू (ग्राम पड़कीडीह) ने अपने अनुभव एवं सफलता की प्रेरणादायी कहानियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक एवं जैविक खेती से उत्पादन लागत में कमी आई है तथा फसलों की गुणवत्ता और बाजार मूल्य में वृद्धि हुई है।

वैज्ञानिकों ने दी आधुनिक व प्राकृतिक खेती की जानकारी : कृषि विज्ञान केंद्र की प्रभारी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. रजनी डी. अगासे ने प्राकृतिक खेती की महत्ता एवं विशेषताओं पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने किसानों को रसायन मुक्त खेती के लाभ बताते हुए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर बल दिया। वहीं कृषि वैज्ञानिक डॉ. जितेंद्र जोशी एवं श्री संजय मानिकपुरी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए अवशेष प्रबंधन की वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी दी तथा आधुनिक एवं लाभकारी खेती के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। डॉ. डोमन सिंह टेकाम ने जैविक खेती के विभिन्न घटकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की, जबकि डॉ. लव कुमार ने जैविक कल्चर के प्रयोग एवं उपयोग विधि पर किसानों का मार्गदर्शन किया।

कृषि प्रदशर्नी रही आकर्षण का केंद्र : कृषि विज्ञान केंद्र बेमेतरा की प्रभारी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. रजनी डी. अगासे के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में कृषि प्रदशर्नी का भी आयोजन किया गया। प्रदशर्नी में प्राकृतिक एवं जैविक खेती से संबंधित तकनीकों, उत्पादों एवं नवाचारों को

50 लाख रुपये की लागत से कलेक्ट्रेट परिसर पार्किंग स्थल पर पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य का हुआ भूमिपूजन

महापौर व कलेक्टर सिंह ने किया शुभारंभ, निर्माण स्थल का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर की आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने एवं कलेक्ट्रेट परिसर में बेहतर पार्किंग व्यवस्था विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। वार्ड क्रमांक 38 स्थित कलेक्ट्रेट परिसर के पार्किंग स्थल में 50 लाख रुपये की लागत से पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया।

कार्यक्रम में महापौर अलका बाघमार एवं कलेक्टर अभिजीत सिंह ने निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल, निगम सभापति श्याम शर्मा, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर तथा वार्ड पार्षद रामचंद सेन की उपस्थिति में विधिवत भूमिपूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। भूमिपूजन के बाद महापौर, कलेक्टर एवं आयुक्त ने निर्माण स्थल का निरीक्षण कर प्रस्तावित कार्यों की जानकारी ली और अधिकारियों को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि कलेक्ट्रेट परिसर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिक विभिन्न शासकीय कार्यों के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में पार्किंग व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और परिसर अधिक व्यवस्थित एवं उपयोगी बनेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए ऐसे आधारभूत विकास कार्य लगातार किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, शेखर चन्द्राकर, लीना देवांगन, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, नीलेश अग्रवाल, पार्षद लोकेश्वरी ठाकुर, कायर्पालन अभियंता मो. सलीम सिद्दीकी, सहायक अभियंता हरिशंकर साहू, उप अभियंता मोहित मरकाम, संभव जैन सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित रहे।

पूर्व पार्षदों ने आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व महापौर धीरज लाल बाकलीवाल तथा नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले के नेतृत्व में कांग्रेस के पूर्व पार्षदों अब्दुल गनी, लिखन साहू, अमृत लोढ़ा, संजय सिंह, अनिल देवांगन आदि ने नगर निगम के आयुक्त से मुलाकात कर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें दादा-दादी, नाना-नानी पार्क में संधारण कार्य कराकर बारिश पूर्व वहां जमीन के समतलीकरण करने, पेयजल सुविधा सुलभ कराने व प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त कर अन्य संधारण कार्य कराने की मांग की गई है। इस पर निगम आयुक्त ने त्वरित पहल करने का आश्वासन दिया और कहा कि 21 जून योगा दिवस के पहले पार्क में जल भराव की समस्या दूर कर दी जाएगी और अन्य संधारण कार्य भी जल्द कराए जाएंगे। पार्क के पास स्थित एक्यूप्रेशर वेवरेज को भी दुरुस्त करा दिया जाएगा। पूर्व पार्षदों ने शीतला स्वरूपा मंदिर के पास बने ओपन जिम से उपकरणों के गायब होने का भी मुद्दा उठाया इस पर भी आयुक्त ने उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। पूर्व पार्षदों ने वार्ड नंबर 8 बाबूलाल चाल में मुस्लिम समाज के लिए बनाए गए महिला भवन को मोहर्रम को मद्देनजर रखकर ठेकेदार से तत्काल नागरिकों को हेंडओवर कराने की भी मांग की तथा नगर में सांडों के बढ़ते आतंक की ओर उनका ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि अक्सर सांडों के आक्रामक होने से बूढ़े, बच्चे व महिलाएं घायल हो जाते हैं। इन सांडों को कांजी हाउस भेजा जाए। इस पर भी आयुक्त ने उचित पहल का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति मुर्मु को दी जन्मदिन की बधाई

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को जन्मदिवस की हार्दिक दी। पोस्ट में सीएम साय ने लिखा, आपका सरल, संवेदनशील, प्रेरणादायी व्यक्तित्व और राष्ट्रसेवा के प्रति आपका समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। महाप्रभु जगन्नाथ जी से आपके उत्तम स्वास्थ्य, सुदीर्घ, यशस्वी एवं मंगलमय जीवन की प्राथर्ना करता हूँ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के जन्मदिन पर उन्हें देशभर से बधाई संदेश मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई नेताओं ने भी राष्ट्रपति मुर्मु को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। पीएम मोदी ने कहा कि वह आज ओडिशा में होने वाले कार्यक्रम में उनसे मिलने के लिए उत्सुक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

दुर्ग शहर में मात्र 1,500 रुपये के विवाद में युवक की हत्या

शव कुएं में फेंकने वाले 07 नाबालिग 24 घंटे के अंदर हुए गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

थाना मोहन नगर क्षेत्र में हुए चर्चित हत्या प्रकरण का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए घटना में शामिल सभी 07 अपचारी बालकों (नाबालिग आरोपियों) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि 1,500 रुपये के लेनदेन के विवाद ने इस सनसनीखेज वारदात को जन्म दिया।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 18 जून की रात लगभग 8:30 बजे दुर्गा सारथी को सूचना मिली कि शक्ति नगर स्थित पशु आहार किसान राईस मिल के कुएं में एक युवक का शव पड़ा हुआ है। पुलिस मौके पर पहुंची और पहचान के बाद मृतक की पहचान 26 वर्षीय यशवंत सारथी के रूप में की गई। प्रारंभिक जांच में पता चला कि युवक की हत्या सिर पर कठोर वस्तु से हमला कर तथा शरीर के अन्य हिस्सों में धारदार वस्तु से वार कर की गई थी। इसके बाद शव को साक्ष्य छुपाने की नीयत से कुएं में फेंक दिया गया था। मामले में थाना मोहन नगर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 103(1) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि मृतक ने मुख्य आरोपी से 1,500 रुपये उधार लिए थे और कई बार मांगने के बावजूद राशि वापस नहीं की जा रही थी। इसी विवाद के चलते आरोपियों ने योजना बनाई। 17 जून की रात मुख्य आरोपी ने मृतक को फोन कर घटनास्थल पर बुलाया और अपने अन्य साथियों को भी वहां एकत्र किया। जांच के अनुसार, मृतक के पहुंचते ही आरोपियों ने उस पर हमला किया। घटना के बाद शव को कुएं में डालकर सभी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी 07 अपचारी बालकों को हिरासत में लेकर घटना में प्रयुक्त सामग्री भी जब्त कर ली है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित कर जांच की गई, जिसके परिणामस्वरूप कम समय में आरोपियों तक पहुंचना संभव हो सका। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध अथवा आपराधिक गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100